दैनिक
पुष्पांजली टुडे
नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 302

ग्वालियर, शुक्रवार 22 जुलाई 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति होंगी द्रौपदी मुर्मू, 25 जुलाई को ले सकती हैं शपथ

नई दिल्ली। द्रौपदी मुर्मू भारत की 15वीं राष्ट्रपति होंगीं। वह आजाद भारत की दूसरी महिला और पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति होंगी। 25 जुलाई को द्रौपदी मुर्मू देश के 15वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। 24 जुलाई को वर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल समाप्त हो रहा है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्रौपदी मुर्मू के घर पहुंच चुके हैं। थोड़ी देर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुर्मू से मुलाकात करने उनके आवास पर जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं ने मुर्मू को बधाई देना शुरू कर दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुर्मू की जीत पर बधाई दी है। राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में प्रभावी जीत दर्ज करने के लिए श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को बधाई। वे गाँव, गरीब, वंचितों के साथ-साथ झुग्गी-झोपड़ियों में भी लोक कल्याण के लिए सक्रिय रहीं हैं।आज वे उनके बीच से निकल कर सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुँची हैं।यह भारतीय लोकतंत्र की ताक़त का प्रमाण है।

यशवंत सिन्हा ने स्वीकारी हार

विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने अपनी हार स्वीकार करते हुए द्रौपदी मुर्मू को जीत की बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि राष्ट्रपति चुनाव 2022 में विजयी होने पर मैं श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को बधाई देता हूँ। देशवासियों को उम्मीद है कि 15वें राष्ट्रपति के रूप में वो बिना किसी भय या पक्षपात के संविधान की संरक्षक के रूप में जिम्मेदारी निभाएंगी।

आदिवासी नृत्य बीस हजार लड्डू द्रौपदी मुर्मू के गृहनगर में चल रही खास तैयारी

नई दिल्ली। भारत के नए राष्ट्रपति के नाम पर मुहर लग जाएगी। राष्ट्रपति चुनाव के लिए 18 जुलाई को मतदान हो चुका है। संसद भवन में मतगणना शुरू होगी। एनडीए की तरफ से द्रौपदी मुर्मू जबकि विपक्ष की तरफ से यशवंत सिन्हा उम्मीदवार हैं। इधर अभी परिणाम घोषित नहीं हुए हैं लेकिन द्रौपदी मुर्मू के गृह नगर रायरंगपुर में उनकी जीत की तैयारियां शुरू हो गई हैं। आइए जानते हैं कि उनके गृहनगर में कैसी तैयारी चल रही है। दरअसल, एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू की जीत की प्रबल संभावना है। उनका गृहनगर ओडिशा के रायरंगपुर में स्थित है। वहां बड़े पैमाने पर जश्न की तैयारी जारी है। कई जगहों पर मिठाइयां बन रही हैं और उनके गांव सहित आसपास के कई गांव के लोगों ने विजय जुलूस और आदिवासी नृत्य की योजना बनाई है। स्थानीय भाजपा इकाई की योजना है खास स्थानीय भाजपा इकाईवहीं स्थानीय भाजपा इकाई परिणाम घोषित होने के बाद जश्न की योजना बना रही है। स्थानीय भाजपा नेता तपन महंत ने कहा कि हम बीस हजार लड्डू तैयार कर रहे हैं और मुर्मू को बधाई देने के लिए 100 बैनर लगाए हैं।

भाजपा सांसद वरुण गांधी ने मप्र की शिवराज सरकार पर साधा निशाना

पीलीभीत। पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने अब मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले 5.5 लाख बच्चों को साइकिल न मिलने का मुद्दा उठाया है। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने ट्विटर पर मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के स्कूल जाने का वीडियो को शेयर किया। वीडियो शेयर कर सांसद वरुण गांधी ने ट्विटर पर लिखा, ''कंधों पर सपनों का बस्ता लिए बच्चे पढ़ाई करने के लिए 26 किलोमीटर तक का सफर रोज तय कर रहे हैं। बच्चों को साइकिल के लिए किए गए वायदे क्या फाइलों में फंस गए? यह देश का भविष्य है उनके सपने पूरे करना हम सबका दायित्व है।'' वरुण गांधी ने लिखा, ''मैं 25 जरूरतमंद बच्चों को साइकिल उपलब्ध करा रहा हूं आशा है और भी लोग आगे आएंगे।''

मप्र में गृहमंत्री के ग्रह जिले के जिलाधिकारी ने किया राष्ट्रीय ध्वज का अपमान

जिला कलेक्टर के द्वारा तिरंगा को पकड़ा उल्टा

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे दतिया । जिला कलेक्टर संजय कुमार तिरंगा उल्टा पकड़े हुए है देश की ऑन बान शान देश का ध्वज राष्ट्रीय शौर्य का प्रतीक जिसे जिला कलेक्टर द्वारा उल्टा पकड़ना बहुत ही अशोभनीय है इनके ऊपर दंडात्मक कार्यवाही होनी चाहिए

गृहमंत्री के ग्रह जिले का जिलाधिकारी इस प्रकार के काम करे यह तो और अधिक घ्रणित और अपमान जनक है। एक तरफ भाजपा अपनी पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती को तिरंगे के अपमान के केश मे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था लेकिन आज दतिया जिला कलेक्टर पर भाजपा सरकार कारवाही न करे तो और अधिक हास्यास्पद होगा

मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को इस स्थिति मे ठोस कानूनी कार्यवाही की जरूरत है।

राजस्थान के कई जिलों में येलो अलर्ट पंजाब से लेकर बिहार तक बारिश के आसार

बीकानेर। मौसम विभाग ने राजस्थान के कई जिलों में गुरुवार को भारी बारिश की भविष्यवाणी करते हुए एक येलो अलर्ट जारी किया है। आपको बता दें कि राज्य भर में पिछले 24 घंटों में 10 मिमी से 50 मिमी तक बारिश दर्ज की गई है। आईएमडी ने अब अलवर, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, करौली, बीकानेर और हनुमानगढ़ के लिए येलो अलर्ट (वॉच एंड स्टे अपडेट) जारी किया गया है। माउंट आबू तहसील में 150 मिमी, पुष्कर में 100 मिमी, कोटा और धम्बोला में 90 मिमी, सरवर और उदयपुरवती में 80 मिमी, रेलमागरा और खेतड़ी में 70 मिमी और चिकली, मावली, असिंद में 60 मिमी वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार सुबह 8.30 बजे तक राज्य के जयपुर और भरतपुर संभाग में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। गुजरात के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश ने जनजीवन ठप कर दिया है। निचले इलाकों के हजारों निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। तापी जिले में तापी नदी पर बने उकाई बांध से भारी मात्रा में पानी छोड़ा गया। तेलंगाना भी बारिश और उसके बाद आई बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। गोदावरी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा था और लगातार हो रही भारी बारिश के बीच गुरुवार को भद्राचलम में तीसरे चेतावनी स्तर पर पहुंच गया। राज्य सरकार ने हाल ही में भारी बारिश और बाढ़ के कारण राज्य को हुए नुकसान के बारे में केंद्र को एक रिपोर्ट भेजी और बाढ़ राहत के लिए तत्काल मौसम पूर्वानुमान एजेंसी के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में 21 जुलाई को और उत्तराखंड में 21-23 जुलाई के दौरान बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

खास खबर

एलन मस्क ने बिटकॉइन को दिया झटका, होल्डिंग में से 75 फीसदी को फ्लैट करेंसी में बदली

वाशिंगटन। दुनिया के सबसे अमीर इंसान और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क अपने चौंकाने वाले फैसलों के लिए जाने जाते हैं। क्रिप्टोकरेंसी को लेकर उनके लिए फैसलों ने जहां कई बार क्रिप्टो बाजार को ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया, वहीं कई मौके इसतरह के भी आए जब मस्क के बोल क्रिप्टो पर बहुत भारी पड़े और वह औंधे मुंह गिरी। सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन को लेकर भी अब मस्क का मन बदल गया है। करीब एक साल पहले ही किसी भी कीमत पर बिटकॉइन को न बेचने की बात कहने वाले मस्क ने अब पलटी मार ली है। टेस्ला ने टोटल बिटकॉइन होल्डिंग में से 75 फीसदी को फ्लैट करेंसी में बदल लिया है। टेस्ला के फैसले को बिटकॉइन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। टेस्ला ने फरवरी 2021 में बिटकॉइन में 1.5 बिलियन के निवेश करने की घोषणा की थी। मस्क की कंपनी टेस्ला के निवेश ने ही बिटकॉइन को ऊंचाइयों पर पहुंचाया था। टेस्ला के निवेश के बाद बिटकॉइन के भाव जबरदस्त तरीके से चढ़े थे। अप्रैल 2021 में टेस्ला कंपनी ने अपने बिटकॉइन पोर्टफोलियों का 10 फीसदी हिस्सा बेच दिया था। टेस्ला ने शेयरधारकों को बताया कि दूसरी तिमाही के अंत तक कंपनी ने बिटकॉइन में अपने निवेश का 75 प्रतिशत हिस्सा फ्लैट करेंसी में बदल लिया है। कंपनी ने बताया कि बिटकॉइन पोर्टफोलियो में 75 प्रतिशत तक की हिस्सेदारी कम करने से दूसरी तिमाही में कपनी को 936 मिलियन डॉलर नकद की आमदनी हुई है।

तिरुमाला तिरुपति परिसर में हत्या से हड़कंप

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश तिरुमाला में श्रीवारी मंदिर भगवान वेंकटेश्वर का मुख्य मंदिर से कुछ दूरी पर एक व्यक्ति की हत्या से वहां पर सनसनी फैल गई है। इस सनसनी से मृतक की पहचान तमिलनाडु के रहने वाले के. सरवन के रूप में हुई। यह घटना वेंकटेश्वर मंदिर के पीछे संग्रहालय के वेटिंग हॉल में घटित हुई। के।सरवन की हत्या बेरहमी से पत्थर से कुचल कर की गई थी। हत्या की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि मृतक का आपराधिक इतिहास रहा है और वो तिरुमाला में एक मैरिज ठेकेदार के यहां पिछले कुछ वर्षों से काम कर रहा था। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से से घटना को अंजाम देने वाले अपराधी भास्कर का गिरफ्तार कर लिया। भास्कर खुद तमिलनाडु के वेल्लोर का रहने वाला है। गुरुवार को हुई इस घटना के सीसीटीवी फुटेज को देखने पर पता चलता है कि कैसे कातिल एक भारी पत्थर उठाकर वेटिंग हाल में पहुंचता है और सो रहे मृतक पर वार कर देता है। आपको बता दें कि यह मंदिर आंध्रप्रदेश के तिरुपति जिले में स्थित है।

पटना सिटी में हथियार के साथ 8 अपराधी गिरफ्तार, जयराम मर्डर केस का भी खुलासा

पटना। बाइपास थाना पुलिस ने दो घटनाक्रमों में कुल 8 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अपराधियों के पास से दो देशी पिस्टल, 12 जिंदा कारतूस के अलावा 30 पुड़िया समैक भी बरामद की है। पुलिस टीम ने थानाक्षेत्र के बाहरी बेगमपुर मोहल्ले में बीते 28 अप्रैल को हुए जयराम उर्फ अजय कुमार हत्याकांड का पर्दाफश कर हत्याकांड में संलिप्त तीन हत्यारों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार हत्यारों के पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस के अलावा स्मैक की कई पुड़िया भी बरामद की गई है। हत्यारों की पहचान शिवम उर्फ चंटी, ध्रुव कुमार और सूरज कुमार उर्फ साइको के रूप में हुई है।

हर घर जल योजना को समय रहते पूरा करने में जुटी मोदी सरकार, 25 जुलाई से 'हर घर जल उत्सव' कार्यक्रम

नई दिल्ली। हर घर जल योजना के तहत लंबित काम को पूरा करने के लिए मोदी सरकार ने 30 सितंबर की तारीख तय की है। साथ ही 25 जुलाई 2022 से 'हर घर जल उत्सव' नाम से एक विशेष अभियान की शुरुआत होगी। इस दौरान डेढ़ लाख से ज्यादा उन गांवों को प्रमाणित किया जाएगा जहां ये योजना 100 प्रतिशत लागू करने का दावा किया गया है। मोदी सरकार ने 2024 तक हर ग्रामीण घर में नल के द्वारा पीने के पानी की आपूर्ति को सुनिश्चित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। वर्तमान में 51 प्रतिशत लक्ष्य पूरा किया जा चुका है, जबकि अगस्त 2019 में जब ये अभियान शुरू हुआ था, तब ये आंकड़ा 17 प्रतिशत था। अधिकारियों ने बताया कि लंबित कामों को हरी झंडी देना, परियोजनाओं की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाना, टेंडर जारी करना और ठेके आवंटित करने के लिए 30 सितंबर तक की डेडलाइन तय की गई है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि 2024 तक हर घर जल कार्यक्रम को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके। केंद्र की मोदी सरकार इस लेकर उत्साहित है, कि 2022-23 की पहली तिमाही में 38.75 लाख नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में ये आंकड़ा 35.22 लाख का था। कई राज्यों में मॉनसून की भारी बारिश और भीषण बाढ़ के बावजूद इस काम को पूरा किया गया है। मोदी सरकार को उम्मीद है कि बारिश का मौसम खत्म होते ही काम को फिर से तेजी से शुरू होगा। केंद्र सरकार ने 25 जुलाई से 12 अगस्त तक हर घर जल उत्सव आयोजित करने का भी फैसला किया है। इस दौरान क़रीब डेढ़ लाख ऐसे गांवों में नल कनेक्शन को प्रमाणित किया जाएगा, जहां ये योजना पूरी तरह लागू करने की बात कही जा रही है। हालांकि इनमें से सिर्फ 11 हजार को ही अब तक प्रमाणित किया जा चुका है। इस अभियान के दौरान हर घर जल प्रमाणीकरण पर जोर दिया जाएगा, खासकर उन राज्यों में जहां ये योजना बड़े स्तर पर लागू हुई है। इन राज्यों में गोवा, तेलंगाना, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, गुजरात, बिहार और मणिपुर शामिल हैं।केंद्र सरकार प्रमाणीकरण के काम में ढिलाई को लेकर नाखुश है, इसकारण इस अभियान की शुरुआत की गई है। केंद्र राज्यों पर पाइपलाइन बिछाने से पहले पर्यावरण व रेलवे मंत्रालय, नेशनल हाइवे अथॉरिटी और गेल जैसी केंद्रीय एजेंसियों से मंजूरी लेने पर और जमीन की उपलब्धता को लेकर राज्य सरकार के विभागों से हरी झंडी लेने पर जोर दे रही है।

अरविंद केजरीवाल का अब गुजरात में ऐलान - 'आप' की सरकार बनी तो 300 यूनिट बिजली मिलेगी फ्री

सूरत। आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव में वोटरों को रिझाने की भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) समेत राजनीतिक दलों ने कोशिशें तेज कर दी हैं7 दिल्ली और पंजाब फतह करने के बाद आप की अब गुजरात पर नजर है, जिसे जीतने के लिए उसने हरसंभव प्रयास तेज कर दिए हैं7 गुजरात दौरे पर आए आप के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जनता को अपने पक्ष में लाने के लिए दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर मुफ्त बिजली का ऐलान किया7 सूरत में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर गुजरात में आप की सरकार बनती है तो तीन महीने में प्रत्येक परिवार को 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी7 साथ ही 31 दिसंबर के पहले के सभी घरेलू बिजली के बिल भी माफ कर दिए जाएंगे7 आप की सरकार में पावर कट नहीं होगा और 24 घंटे बिजली मुहैया करवाई जाएगी7 केजरीवाल ने कहा कि वह पिछले महीनों में जितनी बार गुजरात आए हैं, यहां के लोगों का उन्हें काफी प्यार मिला है7 गुजरात में एक ही पार्टी की 27 साल से सरकार है जो अहंकार में चूर है7 उसके पास अब कोई नए मुद्दे भी नहीं है, इसलिए बदलाव जरूरी है7 फिलहाल गुजरात में सबसे बड़ी समस्या महंगाई है7 आय बढ़ नहीं रही और महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है।

ज्ञानवापी मामले सुप्रीम कोर्ट ने कहा, निचली कोर्ट का आदेश आने दीजिए

मामले की अगली सुनवाई अक्टूबर में होगी

नई दिल्ली। ज्ञानवापी मामले की गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस पीएल नरसिम्हा की बेंच सुनवाई कर रही है। सुप्रीम कोर्ट में मस्जिद कमेटी की ओर से बताया गया कि रूल 7 /11 के तहत निचली अदालत में बहस चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिद पक्ष को कहा कि निचली कोर्ट का आदेश आने दीजिए। आपके कानूनी रास्ते को हम खुला रखने वाले हैं। मान लीजिए अगर निचली अदालत फैसला आपके खिलाफ जाता है, तब फिर आपके पास कानूनी विकल्प है।

सुनवाई के दौरान अहमदी मस्जिद कमेटी की तरफ से अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने सर्वे कमीशन की नियुक्ति को लेकर भी बहस की। इस दौरान उन्होंने कोर्ट से कहा कि इस मामले में कमिश्नर की नियुक्ति सही नहीं हैं। ये कमिश्नर की नियुक्ति का मामला नहीं है। हाई कोर्ट का कमिश्नर की नियुक्ति का आदेश सही नहीं था। इसके बाद हुजेफा अहमदी ने कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने से जुड़े कानूनी प्रावधान पढ़कर सुनाया। हुजेफा अहमदी ने कहा कि अगर हम साबित कर देते हैं कि कमिश्नर की नियुक्ति ही नहीं होनी चाहिए थी, तब उसकी रिपोर्ट रिकॉर्ड से हटा दी जानी चाहिए। इस पर जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि 7-11 स्पष्ट है और निचली अदालत में कार्यवाही जारी है। इसपर जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि हम निचली अदालत को निर्देश जारी करते हैं, कि वह प्राथमिकता पर सुनवाई पूरी कर निर्णय ले। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप कमिश्नर की रिपोर्ट को लेकर बात कर रहे है। जब ट्रॉयल कोर्ट के समक्ष कमिश्नर की रिपोर्ट को कंसीडर किया जाएगा तब भी आप अपनी बात रख सकते है। इसके अलावा कोर्ट ने सवाल किया कि आपकी आपत्ति है कि कमिश्नर बिना आपकी सहमति के नियुक्त हुए है? इस पर अधिवक्ता अहमदी ने कहा कि हमने पहले आपत्ति दर्ज करा दी थी, कमीशन की नियुक्ति को लेकर। फिर निचली अदालत ने खारिज किया, फिर हम हाई कोर्ट गए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम निचली अदालत को कहते हैं कि सुनवाई के दौरान वहां हाई कोर्ट के आदेश से बिना प्रभावित मामले की सुनवाई करे।

भारत में महिला पायलट की संख्या दुनिया के मुकाबले काफी बेहतर : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में जानकारी दी कि भारत में महिला पायलटों की संख्या दुनिया के मुकाबलें काफी बेहतर है। इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ वुमेन एयरलाइन पायलट्स के अनुसार विश्व में कुल पायलटों में से 5 प्रतिशत महिलाएं हैं जबकि भारत में महिला पायलटों की संख्या लगभग 15 प्रतिशत है। लोकसभा में डॉ. वी सत्यवती और चिंता अनुराधा के प्रश्न के लिखित उत्तर में नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह जानकारी दी। सदस्यों ने देश में महिला पायलटों की संख्या बढाने के लिये उठाये गए कदमों का ब्यौरा मांगा था। सिंधिया ने कहा कि नागर विमानन मंत्रालय और इससे जुड़े संगठनों ने देश में महिला और पुरूषों दोनों वर्ग के पायलटों की संख्या बढ़ाने के लिये कदम उठाये हैं। इनमें पहले चरण में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा पांच हवाई अड्डों... बेलगावी, जलगांव, कलबुर्गी, खजुराहो और लीलाबारी पर नौ नए उड़ान प्रशिक्षण संगठनों (एफटीओ) के लिए अवार्ड पत्र जारी करना शामिल है। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में पांच हवाई अड्डों...भावनगर, हुबली, कडप्पा, किशनगढ़ और सलेम में छह तथा एफटीओ के लिये स्लॉट जारी करना शामिल है। नागर विमानन मंत्री ने कहा कि इन उपायों से उड़ान प्रशिक्षण संगठनों में उड़ान घंटों और प्रति वर्ष जारी किये जाने वाले वाणिज्यिक पायलट लाइसेंसों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना है। सिंधिया ने कहा कि इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ वुमेन एयरलाइन पायलट्स के अनुसार विश्व में कुल पायलटों में से 5 प्रतिशत महिलाएं हैं जबकि भारत में महिला पायलटों की संख्या लगभग 15 प्रतिशत है।

न्यूज़ ट्रैक....

काउंटी क्रिकेट में भारतीय क्रिकेटरों का शानदार प्रदर्शन

लंदन । इंग्लैंड में जारी काउंटी क्रिकेट में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा, और वाशिंगटन सुंदर के बाद अब युवा तेज गेंदबाज नवदीप सैनी ने अपनी गेंदबाजी से सबका ध्यान खींचा है। नवदीप ने ने इंग्लैंड में जारी काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए केंट की तरफ से अपने पदार्पण मैच में ही वारविकशायर के खिलाफ 5 विकेट लिए। उनके इस प्रदर्शन के कारण वारविकशायर पहली पारी में केंट के 165 रन के जवाब में 225 रनों पर सिमट गयी। नवदीप ने एजबेस्टन में खेले जा रहे इस मुकाबले के पहले दिन 3 और दूसरे दिन 2 विकेट हासिल कर अपने पहले ही टेस्ट में पांच विकेट पूरे किए। उन्होंने पहली पारी में 18 ओवर में 72 रन देकर पांच विकेट लिए। नवदीप ने क्रिस बेंजामिन को कैच आउट करवाकर अपने काउंटी करियर का पहला विकेट लिया था. इसके बाद उन्होंने डैन मूसली, माइकल बर्गेस, हेनरी ब्रूक्स और क्रेग माइल्स के विकेट लेकर अपने पांच विकेट पूरे किये। सैनी केंट की तरफ से खेलने वाले दूसरे भारतीय क्रिकेटर हैं। उनसे पहले टीम इंडिया के मौजूदा कोच राहुल द्रविड़ ने भी इस इंग्लिश काउंटी टीम की तरफ से खेला है। नवदीप ने टीम इंडिया की ओर अब तक 2 टेस्ट, 8 एकदिवसीय और 11 टी20 खेले हैं हालांकि वह अभी भारतीय टीम से बाहर हैं।

37 वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी गोवा को मिली

पणजी । अगले साल गोवा में 37वें राष्ट्रीय खेल होंगे। राज्य के खेल मंत्री गोविंद गौड़ा ने कहा है कि लंबे इंतजार के बाद उसे इन खेलों के आयोजन का अवसर मिला है। खेल मंत्री ने कहा कि गोवा में खेलों की मेजबानी के लिए जरुरी बुनियादी ढांचा इस साल के अंत तक तैयार हो जाएगा। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी हासिल होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भी आभार जताया है। खेल मंत्री ने कहा है कि विभाग को भारतीय ओलंपिक संघ से एक ईमेल भी प्राप्त हुआ है जिसमें कहा गया है कि राज्य को साल 2023 में 37वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी दी जाती है।

विश्व एथलेटिक्स के फाइनल में पहुंची भारत की अनु

यूजीन । भारत की अनु रानी ने यहां हो रहे विश्व एथलेटिक्स खेलों में महिलाओं की जैवलीन थ्रो स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश किया है। अनु ने 12 खिलाड़ियों के क्वालीफिकेशन राउंड में आखिरी प्रयास में 59.60 मी दूर भाला फेंककर फाइनल में जगह बनायी। इसके साथ ही वह जैवलीन थ्रो स्पर्धा के फाइनल में लगातार दूसरी बार प्रवेश हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। अनु ने इससे पहले साल 2019 में दोहा में आयोजित विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के क्वालीफिकेशन राउंड में भी आठवें नंबर पर रहते हुए ही फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। मेरठ में जन्मी अनु तब इस चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली देश की पहली महिला जैवलीन थ्रोअर बनी थीं। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से पहले अनु रानी ने मई 2022 में जमशेदपुर में आयोजित एएफआई इंडिया ओपन इवेंट में 63.82 मीटर दूर भाला फेंककर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। इसी कारण उसे विश्व एथलेटिक्स के लिए टिकट मिला था।

राष्ट्र मंडल खेलों के लिए टिकटों की बिक्री जोर शोर से जारी

31 को होगा भारत-पाक महिला क्रिकेट टीमों के बीच मुकाबला

लंदन । बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 31 जुलाई को भारत और पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीमों के बीच होने वाले मैच में रोमांचक मुकाबले के आसार हैं। 28 जुलाई से शुरू हो रहे राष्ट्रमंडल खेलों के लिए टिकटों की बिक्री जोर शोर से जारी है। इन खेलों के लिए अब तक 12 लाख टिकट बिक गये हैं। आयोजकों के अनुसार क्रिकेट प्रशंसक भारत और पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीमों के बीच होने वाले मैच को लेकर उत्साहित हैं। महिला क्रिकेट को पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल किया गया है। बर्मिंघम में भारत और पाकिस्तान मूल के काफी लोग रहते हैं , इससे भी मैच के दौरान स्टेडियम भरा रहने की उम्मीद है। राष्ट्रमण्डल खेलों के मुख्य कार्यकारी इयान रीड ने कहा कि सेमीफाइनल और फाइनल के सभी टिकट बिक गये हैं। इसके साथ ही भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान भी स्टेडियम पूरा भरा रहना तय है। एजबेस्टन में होने वाला यह मैच दर्शकों से भरे खचाखच स्टेडियम में हो सकता है। यह उम्मीद प्रबंधन ने ही जताई है, क्योंकि अब तक इन खेलों के लिए कुल 12 लाख टिकट बिक गये हैं। भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के भी अधिकतर टिकट बिक गए हैं जबकि अभी मैच होने में एक सप्ताह से अधिक समय बाकि है। इन खेलों में क्रिकेट का पहला पहला मुकाबला 29 जुलाई को होगा। सभी मैच बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में खेले जाएंगे। वहीं क्रिकेट के लिए स्वर्ण और कांस्य पदक मुकाबले 7 अगस्त को होंगे। इन खेलों के लिए भारत ओर पाक टीमें इस प्रकार हैं।

भारतीय महिला टीमः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, एस. मेघना, तानिया भाटिया (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, राजेश्वरी गायकवाड़, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, रेणुका सिंह , जेमिमा रोड्रिग्स, राधा यादव, हरलीन देओल और स्नेह राणा।

पाकिस्तान महिला टीमः बिस्माह मरूफ (कप्तान), मुनीबा अली, अनम अमीन, ऐमान अनवर, डायना बेग, निदा डार, गुल फ़िरोज़ा, तुबा हसन, कायनात इम्तियाज़, सादिया इकबाल, इरम जावेद, आयशा नसीम, आलिया रियाज़, फातिमा सना और ओमैमा सोहैली।

राष्ट्रमंडल खेलों में बेहतर परिणाम के लिए पेनल्टी कॉर्नर पर ध्यान देना होगा ः कोच

नॉटिंघम (ईएमएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम की कोच यानेके शॉपमैन ने कहा है कि अगर भारतीय टीम को राष्ट्रमंडल खेलों में बेहतर परिणाम चाहिये तो उसे पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदलने होंगे। कोच के अनुसार भारतीय टीम ने विश्व कप में काफी पेनल्टी कॉर्नर गंवाये थे। इसी कारण उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। कोच के अनुसार परिणाम पर नजर डालें तो विश्व कप में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं था। हमने काफी पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए पर उन्हें गोल में बदल नहीं पाये। उन्होंने कहा कि इसके कई कारण हैं। हम जिस तरह के मैदान पर ट्रेनिंग करते हैं यह उससे अलग था। मुझे लगता है कि हम हालात से अच्छी तरह तालमेल नहीं बैठा पाए। इसलिए टीम को अभी से पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने के अपने तरीके को ठीक करना होगा।

टी-20 में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम का पलड़ा भारी

जमैका । भारतीय टीम मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए यहां पहुंच गयी है। भारतीय टीम इस दौरे पर तीन एकदिवसीय मैचों के साथ ही पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इस दौरे की शुरुआत एकदिवसीय सीरीज से होगी। भारतीय टीम इंग्लैंड में मिली जीत के बाद यहां पहुंची है। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा हुआ है और वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। वहीं मेजबान टीम वेस्टइंडीज को बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में उसपर सीरीज में बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। दोनो ही टीमों के बीच अबतक कुल 136 एकदिवसीय मुकाबले हुए हैं। इसमें भारतीय टीम को जहां 67 मुकाबलों में जीत मिली है। वहीं वेस्टइंडीज को 63 मुकाबलों में जीत हासिल हुई है। इसके अलावा दोनों टीमों के बीच चार मैचों का कोई परिणाम नहीं निकल पाया है। वहीं दो मुकाबले टाई रहे हैं।

भारत ने घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ अबतक 32 मुकाबलों में जीत हासिल की है। वहीं वेस्टइंडीज की टीम को अपनी धरती पर भारत के खिलाफ 20 मुकाबलों में जीत मिली है। वहीं टीम इंडिया को वेस्टइंडीज की धरती पर अबतक 16 मुकाबलों में सफलता मिली है, जबकि इंडीज टीम को को भारत में 28 मुकाबलों में जीत मिली है। इसके अलावा दोनों टीमें तटस्थ स्थल पर भी कई बार आमने-सामने हुई हैं। इस दौरान भारतीय टीम को 19 मुकाबलों में सफलता मिली है जबकि इंडीज टीम 15 मुकाबलों में जीती है।

एकदिवसीय कार्यक्रम इस प्रकार है

पहला एकदिवसीय- 22 जुलाई 2022 (शुक्रवार) : त्रिनिदाद

दूसरा एकदिवसीयः 24 जुलाई 2022 (रविवार) : त्रिनिदाद

तीसरा एकदिवसीय- 27 जुलाई 2022 (बुधवार) : त्रिनिदाद

पैरा एथलीट ने प्रधानमंत्री को सुनायी अपनी दुखभरी कहानी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए गये भारतीय दल से बात कर उसका हौंसला बढ़ाया। इस दौरान एक शॉटपुट पैरा एथलीट शर्मिला प्रधानमंत्री को अपनी जिंदगी के अनुभवों को बताते हुए भावुक हो गयी। शर्मिला ने मोदी को बताया कि छोटी उम्र में ही उसकी शादी हुई पर भारी प्रताड़ना के बाद वह अपने मायके लौट आयी और खेल पर ध्यान देकर यहां तक का सफर किया है।

34 साल की उम्र में शॉटपुट खेल की शुरुआत करने वाली हरियाणा की शर्मिला ने दो साल के अंदर ही स्वर्ण पदक जीत लिय। इस पर जब प्रधानमंत्री ने पूछा कि इतने कम समय में उसे यह सब कैसे किया तब इस एथलीट ने उन्हें अपने दर्दनाक अतीत के बारे में बताया।

शर्मिला ने कहा, मैं हरियाणा के रेवाड़ी में रहती हूं। मुझे बचपन से खेलने का शौक था पर मुझे अवसर नहीं मिला था क्यों परिवार बेहद गरीब था। मेरी छोटी उम्र में शादी हो गयी थी। मेरे पति ने मुझ पर काफी अत्याचार किए। मेरी दो बेटियां है। प्रताड़ना का सिलसिला बढ़ने पर मेरे माता-पिता मुझे अपने घर ले आए। फिर दूसरी शादी के बाद हमारे रिश्तेदार टेकचंद भाई ने मेरा काफी सहयोग किया। उन्होंने रोज सुबह-शाम काफी मेहनत करवाई. उनकी वजह से ही मैं आज दो साल के अंदर राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण जीत पायी हूं। वहीं मेरी बड़ी बेटी जेवलिन के अंडर-14 में और छोटी बेटी टेबल टेनिस में है। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा, आपकी कहानी ऐसी है कि कोई और भी होता, तो शायद हार मान लेता, पर आपने काफी हिम्मत और जज्बा दिखाया। इसी कारण आप सभी के लिए प्रेरणा हैं। आपने साबित कर दिया है कि अगर जीतने का जज्बा हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

नीश , समीर और विजयवीर की टीम ने निशानेबाजी विश्वकप में रजत जीता

चांगवन । भारत के अनीश भानवला, समीर और विजयवीर सिद्धू की टीम ने यहां 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल निशानेबाजी विश्व कप स्पर्धा में रजत पदक जीता है। इन भारतीय निशानेबाजों ने क्वालिफिकेशन स्टेज में शीर्ष दो में जगह बनाकर स्वर्ण के लिए अपनी दावेदारी पेश की पर फाइनल में चेक गणराज्य के मार्टिन पोद्रास्की, थॉमस टेहान और माटेज रामपुला के हाथों 15-17 से हारने के बाद भारतीय टीम को दूसरा स्थान ही मिल पाया।

ब्रिटेन में महिला यूरो कप में भाग लेती हुई स्पेन और इंग्लैंड की खिलाड़ी।

व्यापार न्यूज

अमेरिका और यूरोपीय बाजारों में गिरावट रही

मुंबई । अमेरिकी शेयर बाजार में लगातार दूसरे सत्र में तेजी दिखी। वहां टेक कंपनियों के बेहतर रिजल्ट से निवेशक उत्साहित हैं और बाजार में जमकर दांव लगा रहे हैं। पिछले कारोबार में अमेरिका के प्रमुख शेयर बाजारों में तेजी रही और डाओ जोंस 0.15 की बढ़त पर बंद हुआ। इसी तरह, एसएंडपी 500 अंक का उछाल दिखा तो नेस्डेक कम्पोजिट 1.58 फीसदी की बढ़त बनाकर बंद हुआ। हालांकि अमेरिका की तर्ज पर यूरोपीय बाजारों में तेजी नहीं दिखी और सभी प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज लाल निशान पर बंद हुए। यूरोप के शेयर बाजारों में शामिल जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज पिछले सत्र में 0.20 फीसदी टूटकर बंद हुआ, जबकि फ्रांस का शेयर बाजार 0.27 के नुकसान पर रहा। लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर भी पिछले सत्र में 0.44 फीसदी की गिरावट दिखी थी।

फोनपे अपने मुख्यालय को भारत लाएगी

नई दिल्ली । वालमार्ट समूह की डिजिटल भुगतान कंपनी फोनपे अपने मुख्यालय को सिंगापुर से भारत लाने पर ?विचार कर रही है। वहीं फोनपे में सबसे अधिक हिस्सेदारी रखने वाली फ्लिपकार्ट का अपने मुख्यालय को भारत लाने का इरादा नहीं है और यह सिंगापुर में बना रहेगा। संपर्क करने पर ऑनलाइन भुगतान कंपनी फोनपे के एक प्रवक्ता ने भी मुख्यालय के भारत लाने की पुष्टि की है। प्रवक्ता ने कहा ?कि हम अपनी पंजीकृत इकाई को सिंगापुर से भारत लाने की प्रक्रिया में है। वहीं, इस संबंध में फ्लिपकार्ट का भेजे गए ई-मेल का ई-कॉमर्स कंपनी ने फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया।

रुपया टूटकर 80 के सर्वकालिक निचले स्तर पर

मुंबई । तेल आयातकों की तरफ से अमेरिकी डॉलर की मांग आने और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से गुरुवार को रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसा टूटकर 80.06 रुपए प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में मजबूती बनी रहने से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। ब्रेंट क्रूड 106 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया है। यही वजह है कि घरेलू मुद्रा का स्तर 80 रुपये प्रति डॉलर के आस-पास बना हुआ है। इसके अलावा चालू खाता घाटा और कारोबार घाटा बढ़ने से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतर-बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 80.03 के भाव पर खुला लेकिन थोड़ी ही देर में यह गिरावट के साथ 80.06 रुपए प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में एक पैसे की गिरावट दर्शाता है। बुधवार को रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ 80.05 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत गिरकर 106.87 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.67 प्रतिशत गिरकर 106.20 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

घरेलू कंपनियों में निजी इक्विटी, उद्यम पूंजी निवेश बढ़कर 34.1 अरब डॉलर पर

मुंबई । निजी इक्विटी कंपनियों (पीई) और उद्यम पूंजी कोषों (वीसी) ने इस साल की पहली छमाही में घरेलू कंपनियों में 28 प्रतिशत अधिक पैसा लगाया है। इसमें से ज्यादातर निवेश स्टार्टअप इकाइयों को मिला है। एक रिपोर्ट के अनुसार पहली छमाही में घरेलू कंपनियों को निजी इक्विटी कंपनियों और उद्यम पूंजी कोषों से कुल 34.1 अरब डॉलर का निवेश मिला है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 की पहली छमाही में इन कोषों ने 714 सौदों को अंजाम दिया, जिसमें 23.7 अरब डॉलर के 92 बड़े सौदे शामिल हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रमिक आधार पर निवेश पहले के 50.4 अरब डॉलर से 32 प्रतिशत कम है। इस अवधि में निजी इक्विटी व उद्यम पूंजी कोषों द्वारा 120 सौदों में 9.6 अरब डॉलर की निकासी भी देखी। ईवाई इंडिया के भागीदार विवेक सोनी ने कहा कि पहली छमाही में सालाना आधार पर भारतीय कंपनियों में निवेश 28 प्रतिशत बढ़ा है।

कमजोरी के साथ शेयर बाजार की शुरुआत : सेंसेक्स 55,200 और निफ्टी 16,400 अंक पर

मुंबई । एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को कारोबार की शुरुआत कमजोर रही और घरेलू शूयरे बाजार गिरावट के साथ खुले। हालांकि कुछ देर बाद में बाजार में तेजी देखी गई। तीस शेयरों वाला सूचकांक बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 126.78 अंक गिरकर 55,270.75 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 36.95 अंक कमजोर होकर 16,483.90 अंक पर कारोबार कर रहा था। हालांकि बाद में बाजार में सुधार आया और सेंसेक्स 56.67 चढ़कर 55,454.20 अंक पर आ गया वहीं निफ्टी 22.50 अंक की बढ़त के साथ 16,543.35 अंक पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की कंपनियों में से विप्रो, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टेक महिंद्रा, इंफोसिस और एशियन पेंट्स के शेयरों में गिरावट का रुख देखा गया। वहीं इंडसइंड बैंक, आईटीसी, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर बढ़त पर रहे। पिछले सत्र में बुधवार को तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 629.91 अंक उछलकर 55,397.53 अंक पर बंद हुआ था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 180.30 अंक मजबूत होकर 16,520.85 अंक पर बंद हुआ था। इस बीच अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.66 प्रतिशत गिरकर 106.22 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को भारतीय शेयर बाजारों में खरीदारी की। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार को विदेशी निवेशकों ने 1,780.94 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध लिवाली की।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

मुंबई । एशियाई बाजारों में गुरुवार सुबह मिलाजुला कारोबार देखा गया। कुछ एक्सचेंज लाल निशान पर कारोबार कर रहे तो कुछ में बढ़त दिख रही है। सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज 0.01 फीसदी की गिरावट पर कारोबार कर रहा, जबकि जापान का निक्केई 0.38 फीसदी के नुकसान पर है। हालांकि, ताइवान का शेयर बाजार 0.31 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 0.36 फीसदी की बढ़त पर कारोबार कर रहा है। चीन का शंघाई कंपोजिट भी 0.08 फीसदी के नुकसान पर है। भारतीय शेयर बाजार से लगातार बिकवाली कर रहे विदेशी निवेशकों ने इस सप्ताह खरीदारी की राह पकड़ ली है। विदेशी निवेशकों के लगातार पैसे लगाने से बाजार को बढ़त बनाने में मदद मिल रही है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले सत्र में भी 1,780.94 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे, जबकि इसी दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 230.22 करोड़ के शेयर बेच डाले।

गंभीर बीमारी वाली दवाओं की कीमत कम करेगी सरकार

नई दिल्ली । देश में गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं जल्द सस्ती हो सकती हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया के व्यापार मार्जिन रेशनलाइजेशन के तहत आने वाली दवाओं की लिस्ट को अंतिम रूप देने के लिए बड़े फार्मा कंपनियों की बैठक बुलाई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा ?कि मंत्री 26 जुलाई को गैर-अनुसूचित दवाओं पर टीएमआर कम करने के लिए कंपनियों से मुलाकात करेंगे। ट्रेड मार्जिन तय करके सरकार महत्वपूर्ण दवाओं की कीमतों को कम करने की योजना बना रही है। ट्रेड मार्जिन निर्माताओं के लिए व्यापार की कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य के रूप में मरीजों को मिलने

वाले मूल्य के बीच का अंतर है। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि बैठक मंत्री कार्यालय में बुलाई जाएगी। स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दवा की कीमतों में कटौती की घोषणा की जा सकती है। दवा की कीमत पर नजर रखने वाली संस्था नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) पिछले कई महीनों से टीएमआर योजना पर काम कर रही है। 2018-19 में एनपीपीए ने 42 चुनिंदा गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं के ट्रेड मार्जिन पर रोक लगाई थी। एनपीपीए के आंकड़ों से पता चलता है कि 100 रुपए प्रति टैबलेट से ऊपर की दवाओं के मामले में 8 फीसदी दवाओं का ट्रेड मार्जिन 200 से 500 फीसदी, 2.7 का मार्जिन 500 -1,000 और 1.48 का 1,000 फीसदी से ज्यादा है। सरकार आगामी बैठक में उद्योग जगत से सलाह मशविरा करने के बाद इस फैसला लेगी।

साइबर अपराधियों ने अमेरिकियों से ठगे 4 करोड़ डॉलर

एफबीआई ने फर्जी वेबसाइट व ऐप्स को लेकर किया सचेत

नई दिल्ली । एफबीआई ने बढ़ते घोटालों को लेकर चेतावनी दी है। एफबीआई की एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि नकली क्रिप्टो ऐप को बढ़ावा देने वाले साइबर बदमाशों द्वारा 244 अमेरिकियों से अनुमानतः 42.7 मिलियन डॉलर (4.2 करोड़ डॉलर) ठगे गए हैं। एजेंसी वित्तीय संस्थानों के साथ-साथ व्यक्तिगत निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दे रही है। वे कहते हैं कि बदमाशों को अधिक सफलता उन लोगों से मिल रही है जो इस तरह के फ्रॉड से अनजान हैं। क्रिप्टोकरेंसी चुराने के लिए ठग किसी वित्तीय कंपनी की नकल करने वाली वेबसाइट भी बना रहे हैं। अप्रैल में साइबर सुरक्षा वेबसाइट क्रेब्सऑनसिक्योरिटी ने एक क्रिप्टो-

संबंधित घोटाले के बारे में पोस्ट किया था जिसमें प्रसिद्ध पोर्टफोलियो मैनेजर कैथी वुड और उनकी निवेश फर्म एआरके इन्वेस्ट के नाम का इस्तेमाल पीड़ितों को एक नकली वेबसाइट की ओर भेजने के लिए किया गया था। एफबीआई का कहना है कि अपराधी अक्सर वास्तविक क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म या वित्तीय संस्थानों के ब्रांड नाम, लोगो और अन्य पहचान की जानकारी चुराते हैं। फिर नकली ऐप बनाते हैं जो आपको विश्वास दिलाती है कि आप असली प्लेटफॉर्म पर ही कारोबार कर रहे हैं।

एक मामले में दो दर्जन से अधिक लोगों को एक वैध ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म की तरह दिखने वाले नकली द्वारा बेवकूफ बनाया गया था। पीड़ितों को बाद में पता चला कि उनके साथ धोखा हुआ है। उस मामले में स्कैमर्स ने 3.7 मिलियन चुराए थे। आमतौर पर सभी पीड़ितों को एक मोबाइल ऐप डाउनलोड करने के लिए आश्वस्त किया जाता है जो भेदिए की तरह काम करता है। इसलिए क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडर्स को उनके द्वारा डाउनलोड किए जाने वाले किसी भी मोबाइल ऐप से सावधान रहना चाहिए। किसी अपरिचित ऐप पर क्रिप्टो व्यापार करने के लिए आपको मिलने वाले किसी भी आग्रह पर संदेह करें। किसी भी ऐप या वेबसाइट को जांचें।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व जुलाई में ब्याज दर में कर सकता है बढ़ोतरी

वाशिंगटन । अमेरिकी फेडरल रिजर्व की अगले हफ्ते होने वाली बैठक पर कारोबारियों की निगाहें टिकी हुई हैं। अमेरिका में तेज महंगाई के बीच अनुमान है कि इस बार अमेरिकी फेड 75 आधार अंकों पर ब्याज दर बढ़ाने का विकल्प चुनेगा। इस निर्णय के बाद 40 फीसदी मंदी की आशंका बढ़ जाएगी। ये बातें रायटर पोल्स में अर्थशास्त्रियों के एक सर्वे में सामने आई हैं। अमेरिका में जून में मुद्रास्फीति 9.1 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो 40 साल का उच्च स्तर है। पिछली बार के रेट हाइक के बाद महंगाई घटने के फेड की उम्मीदों पर पानी फिर गया। इसके बाद अनुमान लगाया जा रहा था कि फेड और आक्रामक नीति अपनाएगा। इसलिए अनुमान था कि एक फीसदी तक रेट हाइक इस बार हो सकती है। पिछले महीने फेड द्वारा 75 आधार अंक की ब्याज दरों में बढ़ोतरी 1994 के बाद से सबसे बड़ी रेट हाइक थी। इस महीने के आंकड़े आने के बाद यह अंदाजा लगेगा कि फेड के रेट हाइक का कितना असर हो रहा है। अर्थशास्त्रियों ने अनुमान जताया है कि फेड 26-27 जुलाई की बैठक के अंत में ब्याज दरों में 75 आधार अंकों की बढ़ोतरी करेगा। इस रेट हाइक के बाज अमेरिकी में ब्याज रेपो रेट 2.25-2.50 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। अगर अमेरिकी फेड ब्याज दर बढ़ाता है तो इसका सीधा असर हम पर होगा। ?विशेषज्ञ के मुताबिक अमेरिकी फेड के कदम को देखकर ही भारत का रिजर्व बैंक भी कदम उठाएगा।

कोविड नहीं होता तो जल्द अपने लिए नया पार्टनर देखती: लीना जुमानी

टीवी का पॉपुलर शो कुमकुम भाग्य एक्ट्रेस लीना जुमानी कुछ समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में हैं. साल 2015 में लीना ने अनाउंस किया था कि उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड राहुल सचदेव से सगाई कर ली है जो कि एक यूएस में बिजनेसमैन हैं. लीना ने बताया था कि दोनों ने 3 साल के रिलेशनशिप के बाद साल 2014 में सगाई कर ली थी. हालांकि दोनों की शादी की डेट फाइनल नहीं हुई थी. अब खबर आ रही है कि लीना ने अपनी सगाई तोड़ दी है. रिपोर्ट के मुताबिक लीना ने सगाई के 5 साल बाद इसे तोड़ दिया है. दोनों वैसे 1 साल पहले ही अलग हो गए थे, लेकिन अब फाइनली एक्ट्रेस ने सगाई तोड़ दी है. लीना ने अपने इस फैसले की वजह बताते हुए कहा कि दोनों के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा था. लीना ने कहा, 'हां, मैं और राहुल अब साथ नहीं हैं. साल 2014 में हमने सगाई की थी और शादी करना चाहते थे, लेकिन चीजें ठीक नहीं हुई. मैं इस बारे में नहीं बताना चाहती कि क्या गलत हुआ हमारे बीच. मैं चाहती हूं कि वह जहां भी रहें खुश रहें.' लीना से जब पूछा गया कि क्या सगाई के बाद शादी को लेकर जो ये लंबा गैप होता है ये सही नहीं है? तो एक्ट्रेस ने कहा, 'ये निर्भर करता है कि आपके पार्टनर के साथ कैसी इक्वेशन है. अगर सब ठीक है तो आप शादी क्यों नहीं करोगे? अगर चीजें ठीक नहीं है तो फिर कुछ अच्छा नहीं होगा.' दोबारा रिलेशनशिप में आने के सवाल पर लीना ने बताया कि वह अपने लिए पार्टनर देखना चाहेंगी, लेकिन अभी उन्हें कोई जल्दी नहीं है. उन्होंने कहा, 'मेरे पैरेंट्स चाहते हैं कि मैं सैटल हो जाऊं, लेकिन मैं अभी अपना सिंगर स्पेस एंजॉय कर रही हूं. हम सभी अभी महामारी से परेशान हैं और अगर कोविड नहीं होता तो मैं जल्दी अपने लिए किसी को देखती.' लीना अभी हाल ही में वेब सीरीज पारो में नजर आई थीं जो ओटीटी प्लैटफॉर्म उल्लू में नजर आई थीं।

अनीशा मधोक दिल मंगदी के साथ सिंगिंग में करेंगी डेब्यू

भारतीय-अमेरिकी अभिनेत्री अनीशा मधोक पंजाबी गायक जसबीर जस्सी के बीत दिल मंगदी के साथ सिंगिंग में अपना डेब्यू किया है। गाने को यूट्यूब पर जारी कर दिया गया। जहां जसबीर में गाने में पंजाबी पंक्तियों को अपनी आवाजें दी हैं, वहीं अनीशा ने फारसी शब्दों को गाया है। अनीशा ने बताया, चूंकि मुझे फारसी अच्छे से आती है, तो मैंने सोचा कि बेहतर होगा कि मैं फारसी के इसके बोल लिख लूं। मैंने अपनी कविताओं से प्रेरणा ली हैं। इसमें पंजाबी और मिडिल ईस्ट दोनों का मिश्रण है। मैं निश्चित हूं कि यह लोगों को जरूर पसंद आएगी। वह आगे कहती हैं, गाने को गोवा में फिल्माया गया है और मुझे इस बात की खुशी है कि इस म्यूजिक वीडियो के जरिए एक एक्टर, डांसर, सिंगर और राइटर के रूप में मुझे अपनी काबिलियत को दिखाने का मौका मिला है। अनीशा जल्द ही बुली हाई के साथ हॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाली हैं।

फिट रहने जैकलीन कर रही योगा

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस ने एक बार फिर इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें एक्ट्रेस योगा करती नजर आ रही हैं। वो भी अपने क्यूट पार्टनर के साथ। उनका ये वीडियो तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। वीडियो में जैकलीन फर्नांडिस को योगा करते देखा जा सकता है और इसमें उनका साथ दे रही है उनकी कैट। वीडियो शेयर करते हुए जैकलीन ने इसे कैट योगा का नाम दिया है। जैकलीन की बिल्ली उनके इर्द-गिर्द घूमती नजर आ रही है। जब एक्ट्रेस योगा करने लगती हैं, तो बिल्ली कभी उन्हें निहारती रहती है तो कभी उनके पास खड़ी हो जाती है। एक्ट्रेस का ये वीडियो उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है। कई यूजर्स ने कमेंट करते हुए जैकलीन की तारीफ की है। बीते दिनों जैकलीन जानवरों की देखभाल करने को लेकर चर्चा में थीं। एक्ट्रेस कई बार जानवरों के प्रति अपने प्यार को साबित कर चुकी हैं। अब जब कोरोना काल में आवारा पशुओं को भोजन नहीं मिल रहा है तो जैकलीन एक संस्था के साथ मिलकर ऐसे पशुओं की देखरेख में जुटी हैं। जैकलीन ने सोशल मीडिय पर कई तस्वीरें भी शेयर की थीं, जिसमें वह कुत्ते-बिल्लियों को दुलारती नजर आई। इसके लिए जैकलीन ने हाल ही में योलो फाउंडेशन की शुरुआत की है। खास बात ये है कि इस फाउंडेशन का सारा भार जैकलीन ने अपने कंधों पर उठा रखा है।

प्रभास अभिनीत सालार में जॉन अब्राहम खलनायक के किरदार में आ सकते हैं नजर

दिग्गज अभिनेता प्रभास की मौजूदगी से ही किसी फिल्म का महत्व बढ़ जाता है। इस अभिनेता ने अपने अभिनय और एक्शन से प्रशंसकों के दिलों में जगह बनाई है। प्रभास इस साल अपनी पैन इंडिया फिल्म सालार को लेकर सुर्खियों में रहे हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि इस फिल्म के लिए बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम को अप्रोच किया गया है। खबरों की मानें तो जॉन इस फिल्म में खलनायक के किरदार में नजर आ सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रभास की फिल्म सालार में जॉन को खलनायक की भूमिका के लिए कास्ट किया जा सकता है। हालांकि, इस संबंध में अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म की टीम ने जॉन से मुलाकात की है। मेकर्स द्वारा फिल्म की पटकथा जॉन को सुनाई गई है। खबरों की मानें तो जॉन की फीस और शूटिंग शेड्यूल को निर्धारित करने के लिए बातचीत चल रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म के लिए जॉन को खलनायक का किरदार पसंद आया है। बताया जा रहा है कि यह इस फिल्म का काफी मजबूत किरदार है। अभी तक जॉन ने इस फिल्म को साइन नहीं किया है। यह फिल्म एक बड़ा प्रोजेक्ट है, जिसे कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। सालार का निर्देशन प्रशांत नील कर रहे हैं, जो कन्नड़ की हिट फिल्म सीरीज केएफजी का निर्देशन कर चुके हैं। फिल्म की कहानी से संबंधित अधिक जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह एक एक्शन थ्रिलर मूवी होगी। फिल्म में प्रभास के अपोजिट अभिनेत्री श्रुति हासन को मुख्य भूमिका में देखा जा सकता है। इसके पहले शेड्यूल की शूटिंग हैदराबाद में हुई है और हालात सामान्य होते ही फिल्म के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग शुरू हो जाएगी। अभिनेत्री राम्या कृष्णन सालार में प्रभास की बड़ी बहन की भूमिका निभा सकती हैं। यह फिल्म अगले साल 14 अप्रैल को रिलीज होगी। इसे हिन्दी, तमिल और मलयालम भाषाओं में भी डब किया जाएगा। सालार को एक बड़े बजट की फिल्म माना जा रहा है।

बैजू बावरा में डकैत चीन रूपमती की भूमिका निभा सकती हैं दीपिका

हाल में मशहूर निर्देशक संजय लीला भंसाली अपनी फिल्म बैजू बावरा को लेकर सुर्खियों में थे। कुछ दिन पहले ही खबर आई थी कि बैजू बावरा संजय की आगामी फिल्म हो सकती है। अब इस फिल्म से जुड़ी एक नई जानकारी सामने आ रही है। खबरों की मानें तो संजय की इस फिल्म में बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री दीपिका पादुकोण डकैत चीन रूपमती के किरदार में नजर आने वाली हैं। दीपिका फिल्म में मुख्य भूमिका में दिखेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, संजय की फिल्म बैजू बावरा में दीपिका को कास्ट किया जा सकता है। फिल्म में दीपिका डकैत चीन रूपमती की भूमिका में नजर आएंगी। एक सूत्र ने कहा, जब संजय ने बैजू बावरा के प्रोजेक्ट को शुरू करने का निर्णय लिया, तो यह स्पष्ट था कि वह फिल्म में दीपिका को डकैत चीन की भूमिका के लिए कास्ट करेंगे। दीपिका और संजय ने फिल्म पर चर्चा करने के लिए कई बार मुलाकात की है। खबरों की मानें तो दीपिका और संजय ने फिल्म के कैरेक्टर और फिल्म को लेकर काफी विमर्श किया है। अभी इस संबंध में पेपर वर्क किया जाना बाकी है। बताया जा रहा है कि दीपिका और संजय कई पहलुओं पर आपसी सहमति होने के बाद चीजों को अंतिम रूप देंगे। मेकर्स इस फिल्म की शूटिंग को 2022 के मध्य में शुरू करने का विचार कर रहे हैं। यह एक भव्य फिल्म होगी जिसमें कई बड़े कलाकार शामिल हो सकते हैं।

सूत्र ने आगे बताया, संजय अभी अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म गंगूबाई काठियावाडी की एडिटिंग और पोस्ट प्रोडक्शन पर काम कर रहे हैं। संजय की टीम अभी बैजू बावरा के काम को आगे बढ़ाने में जुटी है। जो कलाकार इस फिल्म का हिस्सा बनने वाले हैं, उनसे भी बातचीत चल रही है। इस फिल्म की कास्टिंग पूरा होने के बाद

संजय इसका आधिकारिक ऐलान कर सकते हैं। यह फिल्म संजय की ड्रीम प्रोजेक्ट बताई जा रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, संजय इस फिल्म की कास्टिंग काफी सावधानी से कर रहे हैं। संजय इस फिल्म की संगीत पर काम कर रहे हैं। म्यूजिक इस फिल्म की कहानी का अहम पहलू है। दीपिका और संजय ने इससे पहले कई फिल्मों के प्रोजेक्ट पर साथ काम किया है। दीपिका और संजय ने राम लीला, बाजीराव मस्तानी और पद्मावत जैसी सफल फिल्मों में साथ काम किया है। बैजू बावरा इन दोनों को चौथी फिल्म होगी।

यह एक म्यूजिकल महागाथा फिल्म होगी। फिल्म के मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर 2019 में बैजू बावरा का ऐलान किया था। वह गंगूबाई काठियावाडी की रिलीज के बाद इस फिल्म के प्रोजेक्ट पर काम शुरू करेंगे। इस फिल्म की कहानी 1952 में आई क्लासिक फिल्म बैजू बावरा पर आधारित होगी। बताया जा रहा है कि भव्यता, संगीत और कहानी के अलावा स्टार-कास्ट फिल्म का मुख्य आकर्षण का केंद्र होगा। इसकी शूटिंग तब शुरू होगी, जब स्थितियां सामान्य हो जाएंगी। अगले साल तक कोरोना के हालात सामान्य नहीं होंगे तो मेकर्स फिल्म को छोटे लेवल पर बना सकते हैं। बैजू बावरा एक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन विजय भट्ट ने किया था। यह फिल्म 1952 में रिलीज हुई थी और इसमें मीना कुमारी और भारत भूषण जैसे कलाकार नजर आए थे। फिल्म एक संगीतकार के जीवन पर आधारित है, जो अपने पिता की मृत्यु का बदला अकबर के दरबार के नवरत्नों में से एक तानसेन से लेता है। फिल्म 83 में दीपिका क्रिकेटर कपिल देव की पत्नी रोमा देव की भूमिका में दिखेंगी। उनके पति रणवीर सिंह फिल्म में कपिल देव की भूमिका में नजर आएंगे। शाहरुख की फिल्म पठान में दीपिका अहम किरदार में दिखेंगी। इसके अलावा वह मधु मंटेना की फिल्म महाभारत में द्रौपदी की भूमिका में नजर आ सकती हैं। दीपिका शकुन बत्रा की आगामी फिल्म में भी नजर आने वाली हैं।

तुषार कपूर नहीं करेंगे कभी शादी

तुषार कपूर एक बेटे के पिता हैं. वह बेटे के साथ पैरेंटहुड एंजॉय कर रहे हैं. तुषार ने अभी तक शादी नहीं की है और आगे भी उनका शादी को लेकर कोई प्लान नहीं है. तुषार का कहना है कि वह खुद को किसी के साथ बांटना नहीं चाहते. दरअसल, एक इंटरव्यू में तुषार से पूछा गया कि क्या वह शादी की प्लानिंग कर रहे हैं तो उन्होंने कहा, 'नहीं क्योंकि अगर मेरा ऐसा कोई प्लान होता तो मैं सिंगल पैरेंट नहीं बनता. मैं हर दिन अपने बेटे के साथ कुछ न कुछ करता रहता हूं. इसके अलावा कोई और ऑप्शन मैं चुन ही नहीं सकता. मैं खुद को किसी और के साथ नहीं बांट सकता और न ही आगे कभी ऐसा करूंगा. तो बस अगर एंड सही है तो सब सही है.' वहीं तुषार ने एक बार बताया था कि प्रकाश झा ने उन्हें सेरोगेसी के जरिए पापा बनने का सुझाव दिया था. तुषार ने कहा था, 'एक मां डायपर चेंज करती हैं, बच्चों को खाना खिलाती हैं, लोगों को लगता है कि पैरेंटिंग मतलब बस इतना ही है. असल में पैरेंटिंग मतलब बहुत कुछ है. इसकी शुरुआत होती है प्यार है जो बिना किसी शर्त के होता है, उन्हें बड़ा करना और हमेशा उन्हें सपोर्ट करना.' तुषार ने आगे कहा था, 'एक पिता का अलग तरीका होता है अपनी फीलिंग्स को एक्सप्रेस करना. वह अपने अलग पैरेंटिंग स्टाइल की वजह से कम प्रोटेक्टिव हो सकते हैं. अप्रोच अलग हो सकती है, लेकिन फीलिंग्स और प्यार मां की तरह ही होता है.' तुषार ने इस दौरान ये भी बताया कि इंडस्ट्री का होने से क्या फायदा और क्या नुकसान है. इस पर उन्होंने कहा, मेरी जर्नी की बेस्ट बात ये है कि सेट पर काम करना।, खुद को मोनिटर पर देखना, फिल्म में एक किरदार निभाना और प्रमोशन करना, जिम जाना और काम से जुड़ी चीजें करना. वहीं खराब बात जो है वो ये कि बारिश और नाइट में काम करना. तुषार ने ये भी कहा कि उन्हें अवॉर्ड शो में जाने के लिए तैयार होना नहीं पसंद।

वजन घटाना है?, तो खाएं अलसी, जानिए पूरी जानकारी

अलसी खाना आपके स्वस्थ जीवन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। दैनिक आहार में दाल को शामिल करने से कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में मदद मिलती है। इसमें बहुत सारे पोषक तत्व होते हैं। दाल में ओमेगा 3 फैटी एसिड, फाइबर, प्रोटीन, विटामिन बी6, मैग्नीशियम, कैल्शियम के साथ ही एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। फाइबर हृदय रोग और टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद होता है। तो जिन लोगों को हृदय रोग और टाइप-2 डायबिटीज है, उनके लिए दाल को डाइट में शामिल करें।

इसके अलावा अलसी वजन घटाने के लिए भी काफी कारगर है। जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं उन्हें जितना हो सके अपने आहार में दाल का सेवन करना चाहिए। अलसी आपके मेटाबॉलिक रेट को बढ़ाती है और वजन घटाने में मदद करती है। वजन कम करने के लिए हर दिन पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन खाना जरूरी है। इसलिए दाल का सेवन करना चाहिए। 100 ग्राम दाल में 18 ग्राम प्रोटीन होता है। इसमें मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों के निर्माण के साथ-साथ शरीर की कोशिकाओं की मरम्मत का काम करते हैं। दाल में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है जो आपकी भूख को नियंत्रित करने में मदद करता है। एक अध्ययन के अनुसार रोजाना एक चम्मच अलसी खाने से आपको वजन कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है। जो दिल को मजबूत रखने में मदद करते हैं। अगर किसी को हाई ब्लड प्रेशर है तो रोजाना दाल खाने से ब्लड प्रेशर कम होता है। कुछ अध्ययनों का दावा है कि अलसी खाने से कैंसर का खतरा कम होता है और शरीर में सूजन को कम करने में मदद मिलती है। एक चम्मच अलसी, एक चम्मच नींबू का रस, एक चम्मच गुड़ लें। एक पैन में एक चम्मच दाल को एक गिलास पानी में उबाल लें। दस मिनट बाद गैस बंद कर दें और स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें एक चम्मच नींबू का रस और गुड़ मिलाएं।

गर्मियों के स्वास्थ्य के लिए गुलाब स्वास्थ्य और सुंदरता का साथी है

गुलाब का फूल हर किसी को पसंद होता है इसलिए इसे कई तरह से इस्तेमाल किया जाता है। उनमें से एक। गुलाब जल बनाने के लिए। गुलाब जल गुलाब की पंखुड़ियों से बनाया जाता है। जिसका प्रयोग ज्यादातर त्वचा को निखारने के लिए किया जाता है। इसे गर्मी और सर्दी में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है। इतना ही नहीं इसका उपयोग बीमारियों में भी किया जाता है। लेकिन आज हम गर्मियों में गुलाब जल में छिपे खूबसूरती के राज के बारे में जान लेते हैं।

झुर्रियां दूर करता है

चेहरे पर समय से पहले झुर्रियां पड़ने पर मुल्तानी मिट्टी में गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर लगाएं, सूखने तक रखें. सूखने के बाद ठंडे पानी से धो लें. शरीर में ठंडक लाता है- अगर आपका शरीर लगातार गर्म हो रहा है या पेट में जलन हो रही है, तो आपको 2 घंटे के अंतराल पर शरीर और चेहरे पर गुलाब जल को दिन में कई बार लगाना चाहिए, एक दिन में आराम मिलेगा. .डार्क सर्कल्स को दूर करता है- अगर आप डार्क सर्कल्स से परेशान हैं या आपका चेहरा पीला दिखता है, तो रोजाना सोने से पहले गुलाब जल को रूई से अपनी आंखों पर लगाएं और आपको 15 दिनों में फर्क नजर आने लगेगा। चेहरे को गोरा करने के लिए ङ्क अगर चेहरे पर चमक कम हो रही है तो रात को सोने से पहले एलोवेरा जेल में गुलाब जल मिलाएं। चेहरे पर निखार आएगा। 5 रूखी त्वचा ङ्क अगर आपकी त्वचा हर मौसम में रूखी हो रही है तो गुलाब जल में थोड़ा सा ग्लिसरीन और थोड़ा सा नींबू का रस मिलाएं।

मन हमेशा उलझन में क्यों रहता है?

हमेशा मन में कुछ-न-कुछ क्यों चलता रहता है? इससे कैसे बाहर आएँ वर्तमान दौर में एक महत्वपूर्ण विषय है इस मुद्दे पर गहराई से जानने की जरूरत है अगर रह ही रहे हो ज़हरीले धुएँ के बीच। वो जगह ही छोड़नी पड़ेगी। इससे कम में काम नहीं चलेगा। ये जगह भी एक तरह का ऑक्सीजन मास्क ही है, ये सत्संग भी एक तरह का ऑक्सीजन मास्क ही है। थोड़ी देर को खुलकर गहरी साँस ले पाते हो। पर लाभ क्या होगा अगर तुमने ज़िद ठान रखी है कि यहाँ से बाहर निकलकर तुम्हें धुएँ में ही नाक दे देनी है। पूरे इकोसिस्टम की सफ़ाई किए बग़ैर बात नहीं बनेगी। दिनरात अगर ऐसे माहौल में रह रहे हो जो तुम्हारी बेचैनी को ही बढ़ाता है, तो पा क्या रहे हो वहाँ रहकर? कौन-सा ऐसा लाभ है कि वहाँ डटे हुए हो? हटते क्यों नहीं? बैचेनी स्वभाव तो है नहीं। बेचैनी तो प्रभाव है, संस्कार है। बाहरी असर है।

तो अगर कोई बैचेन है तो बात ज़ाहिर है - ग़लत प्रभावों के बीच जी रहे है। इस चीज़ का कोई इलाज नहीं होता कि ख़ुद ही चुनो, और ये जानते हुए भी कि जो तुमने चुना वो ज़हरीला है, उसको चुने ही जाओ बारबार, और कहो कि - ÷मैं परेशान हूँ,÷ तो रहो परेशान। तुम्हारी मर्ज़ी है। कई विकल्प होते हैं, कई रास्ते होते हैं, बहुत कुछ चुना जा सकता था। तुमने अपनी मर्ज़ी से कुछ चुना है। जो चुना है उसके परिणाम भुगतो। फिर शिकायत मत करो कि ज़िंदगी बड़ी अंधी जा रही है। कुछ नहीं है किसी के जीवन की महत्ता, और कुछ नहीं है किसी के जीवन की मीआद। इंसानों को ही देखो, तो इस समय पृथ्वी पर क़रीब आठ सौ करोड़ इंसान हैं। और, और जीव-जन्तुओं को भी मिला दो तो न जाने कितनी अरब-ख़रब जीव-जन्तु सिर्फ़ इस छोटे से गृह पृथ्वी पर ही हैं। इनमें से तुम एक हो। बताओ क्या सत्ता है तुम्हारी! तुम जियो चाहे मरो, कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता। और तुम जियोगे तो कितना जी लोगे। बहुत जियोगे तो अस्सी साल, सौ साल। देखो पृथ्वी की आयु को, देखो ब्रह्माण्ड की आयु को, तुम्हारे अस्सी साल-सौ साल कुछ नहीं हैं। तुम कुछ नहीं हो। कोई नहीं आएगा तुम्हें रोकने-टोकने कि तुम ग़लत ज़िंदगी जी रहे हो। तुम्हारा ये शारीरिक जीवन इतना अमहत्त्वपूर्ण है, कि तुम इसे पूरी तरह बर्बाद भी कर दो, तो भी अस्तित्व को कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता। तुम अपनी ज़िंदगी कर लो पूरी तरह बर्बाद। जितनी देर में तुम यहाँ बात कर रहे हो, उतनी देर में कितने कीट-पतंगे, कितने कीड़े -मकौड़े, मर चुके होंगे। तुम्हें कोई फ़र्क़ पड़ रहा है? जैसे तुम्हें कोई फ़र्क़ नहीं पड़ रहा है ऐसे ही, तुम कैसे जी रहे हो, उससे किसी को कोई फ़र्क़ नहीं पड़ेगा। जिनको तुम अपने सगे-सम्बन्धी बोलते हो, उन्हें भी बस लेश मात्र फ़र्क़ पड़ता है।

कबीर साहिब, कहते हैं ÷तीन दिन तक बहन रोती है, तेरह दिन तक पत्नी रोती है, एक महीने तक माता रोती है,÷ उसके बाद कोई नहीं रोता। उसके बाद सब अपना-अपना जीवन आगे बढ़ाते हैं। तुम जियो ग़लत जीवन। नुक़सान अगर कर रहे हो, तो सिर्फ़ अपना। और अस्तित्व निरपेक्ष है, तो किसी को रोकने-टोकने आता ही नहीं है। पूरी छूट है। तुम्हें बर्बाद होना हो, बर्बादी की पूरी छूट है। तुम ये अकड़, ये ज़िद तो किसी को दिखाओ मत कि -हम तो ग़लत रास्ते पर ही चलेंगे ÷ चलो, किसको परवाह है? बहुत लोगों को इसी में बहुत शान अनुभव होती है। वो कहते हैं, ÷गुरुओं ने जो बताया, शास्त्रों ने जो बताया, और जो हम ख़ुद भी जानते हैं कि सही है, वो हम बिलकुलनहीं करेंगे।÷ मत करो। किसी को क्या फ़र्क़ पड़ता है? जाओ, अंधे कुएँ में डूब मरो। तुम्हारा जीवन है भई। इतना-सा तो जीवन है। जीवन का तो पूरा समुद्र लहरा रहा है, इतने जीव-जन्तु हैं। उसमें तुम एक बूँद मात्र हो।

अधिक प्रभावी बने दल बदल कानून

रमेश सर्राफ धमोरा

महाराष्ट्र में शिवसेना पार्टी के विधायकों द्वारा दलबदल करने के कारण मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की सरकार को गिरा कर शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के बाद देश का दल बदल निरोधक कानून अप्रासंगिक बनकर रह गया है। इस कानून की कमजोरियों का फायदा उठाकर सांसद, विधायक लगातार दल बदल कर रहे हैं। महाराष्ट्र की हालिया घटना के बाद पूरे देश में इस बात को लेकर जोरों से चर्चा है कि मौजूदा कानून दल बदल को रोक पाने में कमजोर साबित हो रहा है। इसे और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। ताकि दल बदल जैसे सत्ता बनाने बिगाड़ने के खेल पर रोक लग सके। महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर हुए दलबदल में भी भाजपा की भूमिका खुलकर सामने आई है। इससे पूर्व भाजपा कर्नाटक व मध्यप्रदेश में बड़े पैमाने पर विधायकों से दलबदल करवा कर वहां की सरकारों को अपदस्थ कर भाजपा की सरकार बनवा चुकी है। 2014 के बाद दलबदल का खेल कुछ अधिक ही खेले जाने लगा है। 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में पूरी सरकारों को ही अपदस्थ कर वहां भाजपा की सरकार बनवा दी गई थी। उसके बाद गोवा में बहुमत नहीं मिलने के बावजूद सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को दरकिनार कर भाजपा की सरकार बनाई गई थी।

2018 के विधानसभा चुनाव में राजस्थान में पूर्ण बहुमत नहीं मिलने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बसपा से चुनाव जीते सभी 6 विधायकों को कांग्रेस में शामिल करवा कर बहुमत प्राप्त कर लिया था। हाल ही में बिहार विधानसभा में लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद ने असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी के 5 में से 4 विधायकों को दल बदल करवा कर राजद में शामिल करवा लिया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चन्द्र शेखर राव कांग्रेस के अधिकांश विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल करवा चुके हैं। सिक्किम में सिक्किम डेमोक्रेटिक पार्टी के दस विधायक दलबदल कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं। चर्चा है कि गोवा कांग्रेस के मौजूदा विधायक कभी भी भाजपा में जा सकते हैं।

मौजूदा नियमों के मुताबिक किसी पार्टी के दो तिहाई व उससे अधिक विधायक एक साथ किसी अन्य पार्टी में विलय करते हैं तो उनकी सदस्यता बच जाती है। इसी का फायदा उठाकर राजनीतिक दलों द्वारा धड़ाधड़ दलबदल करवाया जा रहा है। चुनावो के दौरान भी प्रदेशों में बड़े पैमाने पर विधायकों द्वारा दलबदल किया जाता है। हालांकि उस समय विधानसभाओं के चुनाव होने होते हैं ऐसे में दलबदल का सरकार की सेहत पर प्रभाव नहीं पड़ता है।

जनता द्वारा निर्वाचित सांसद या विधायक तो अपनी सुविधानुसार दल बदल कर सत्ता का लाभ प्राप्त कर लेता है। मगर ऐसे में उनको वोट देने वाले मतदाता खुद को ठगा हुआ महसूस करने लगते हैं। किसी पार्टी विशेष के पक्ष में मतदान कर चुनाव जिताने वाले लोगों को उस वक्त बड़ा झटका लगता है जब उन्हें पता लगता है कि उनके वोटों से जीता हुआ जनप्रतिनिधि उनके विरोधी दल की पार्टी में शामिल हो गया है। लगातार दल बदल की हो रही घटनाओं को लेकर लोगों में चर्चा है कि दल बदल विरोधी कानून को और अधिक मजबूत बनाया जाए ताकि जिस कार्यकाल के लिए जनप्रतिनिधि निर्वाचित हुआ है। उस कार्यकाल में वह दलबदल नहीं कर सके और यदि वह दलबदल करता है तो उसकी सदस्यता समाप्त हो जाए।

अक्टूबर 1967 में हरियाणा के एक विधायक गया लाल ने एक ही दिन मे तीन बार दल बदलकर इस मुद्दे को राजनीति की मुख्यधारा में ला दिया था। उस दौर में आया राम गया राम की राजनीति देश में काफी प्रचलित हो चली थी। अंततः राजीव गांधी के प्रधानमंत्री रहते 1985 में 52वें संविधान संशोधन के माध्यम से देश में दलबदल विरोधी कानून पारित कर इसे संविधान की दसवीं अनुसूची में जोड़ा गया था। इस कानून का मुख्य उद्देश्य भारतीय राजनीति में दलबदल की कुप्रथा को समाप्त करना था। इस कानून के तहत किसी जनप्रतिनिधि को अयोग्य घोषित किया जा सकता है। अगर एक निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से किसी राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है। कोई निर्दलीय निर्वाचित सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है। किसी सदस्य द्वारा सदन में पार्टी के रुख के विपरीत वोट किया जाता है। कोई सदस्य स्वयं को वोटिंग से अलग रखता है। छह महीने की अवधि के बाद कोई मनोनीत सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है। मगर अगर किसी पार्टी के एक तिहाई विधायक या सांसद दूसरी पार्टी के साथ जाना चाहें तो उनकी सदस्यता खत्म नहीं होगी।

2003 में इस कानून में संशोधन भी किया गया। जब ये कानून बना तो प्रावधान ये था कि अगर किसी मूल पार्टी में बंटवारा होता है और एक तिहाई विधायक एक नया ग्रुप बनाते हैं तो उनकी सदस्यता नहीं जाएगी। लेकिन इसके बाद बड़े पैमाने पर दल-बदल हुए और ऐसा महसूस किया कि पार्टी में टूट के प्रावधान का फायदा उठाया जा रहा है। इसलिए ये प्रावधान खत्म कर दिया गया।

लगातार दलबदल से निपटने में कानून को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए 2003 में दसवीं अनुसूची में संविधान में निन्यानवे संशोधन का प्रस्ताव किया गया था। 16 दिसंबर 2003 को लोकसभा द्वारा और 18 दिसंबर 2003 को राज्यसभा द्वारा यह बिल पारित किया गया था। 1 जनवरी 2004 को राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त हुई और संविधान (निन्यानवे संशोधन) अधिनियम - 2003 को 2 जनवरी 2004 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया।

2003 के अधिनियम के अनुसार दलबदल विरोधी कानून में एक राजनीतिक दल को किसी अन्य राजनीतिक दल में या उसके साथ विलय करने की अनुमति दी गई है। बशर्ते कि उसके कम-से-कम दो-तिहाई सदस्य विलय के पक्ष में हों। इस प्रकार इस कानून के तहत एक बार अयोग्य सदस्य उसी सदन की किसी सीट पर किसी भी राजनीतिक दल से चुनाव लड़ सकते हैं। दलबदल के आधार पर अयोग्यता संबंधी प्रश्नों पर निर्णय के लिये मामले को सदन के सभापति या अध्यक्ष के पास भेजा जाता है जो कि न्यायिक समीक्षा के अधीन होता है।

इस कानून में यदि एक निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से किसी राजनीतिक दल की सदस्यता को छोड़ देता है। यदि वह पूर्व अनुमति प्राप्त किये बिना अपने राजनीतिक दल या ऐसा करने के लिये अधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा जारी किसी भी निर्देश के विपरीत सदन में मतदान करता है या मतदान से दूर रहता है। यदि कोई निर्दलीय निर्वाचित सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है। यदि छह महीने की समाप्ति के बाद कोई मनोनीत सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है तो उसकी सदस्यता समाप्त की जा सकती है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कि अध्यक्षता में संसद भवन में आयोजित पीठासीन अधिकारियों की बैठक में दल बदल विरोधी कानून को मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में तय हुआ कि इस पर अंतिम निर्णय से पहले सभी हित धारकों जैसे पीठासीन अधिकारियों, संवैधानिक विशेषज्ञों और कानूनी विद्वानों के साथ विचार विमर्श किया जाए। केन्द्र सरकार को शिघ्र ही दलबदल पर पूरी तरह से रोक लगाने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही करनी चाहिये।

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है।

वीआईपी सुरक्षा पर बवाल

सिद्धार्थ शंकर

पंजाब में वीआईपी सुरक्षा में कटौती बवाल का कारण बन गई है। चौथी बार की गई कटौती में श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार सहित डेरे के मुखी, तीन एडीजीपी, कई पूर्व विधायक सहित 424 लोग शामिल हैं। इन वीआईपी की सुरक्षा में तैनात लगभग 3000 पुलिसकर्मियों को अब सामान्य ड्यूटी के तहत आम लोगों की सुरक्षा में लगाया जाएगा। सुरक्षा में कटौती किए जाने वालों में पंजाबी गायक शुभदीप सिंह सिद्धू मूसेवाला का नाम भी शामिल है, जिनकी रविवार को कुछ लोगों ने हत्या कर दी। 13 मार्च को 122 पूर्व विधायकों और मंत्रियों, 23 अप्रैल को 184 पूर्व मंत्रियों और विधायकों और 11 मई को आठ वीआईपी की सुरक्षा वापस ली जा चुकी है। सिद्धू की हत्या के बाद सुरक्षा में कटौती का मामला गरमा गया है। विपक्ष ने आप सरकार को घेरा है। वहीं पंजाब सरकार ने सिंगर सिद्धू मूसेवाला की वीआईपी सुरक्षा वापस लिए जाने के फैसले की भी जांच कराने की बात कही है। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद खालिस्तान समर्थक समूह सिख फॉर जस्टिस फिर सक्रिय हो गया है। खबर है कि समूह ने एक वीडियो के जरिए पंजाब के मशहूर गायकों को भारत से पंजाब की आजादी का समर्थन करने के लिए कहा है। संगठन ने मशहूर पंजाबी गायकों से कहा है कि अब भारत से पंजाब की आजादी के लिए खालिस्तान रेफरेंडम (जनमत संग्रह) को समर्थन करने का समय है। प्रतिबंधित संगठन के संस्थापकों में से एक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो मैसेज में गायकों से 6 जून को अकाल तख्त साहिब में खालिस्तान जनमत संग्रह की तारीख के ऐलान में साथ देने के लिए कहा है। पन्नू ने कहा, अगली गोली के नाम या समय का कोई अंदाजा नहीं लगा सकता। इस घटनाक्रम के बाद भाजपा से लेकर कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल ने सिद्धू मूसेवाला की हत्या को लेकर आम आदमी पार्टी की सरकार को घेर लिया है। एक बार फिर राज्य में आप सरकार को बर्खास्त करने की मांग उठी है। साथ ही सियासी दल मामले की स्वतंत्र जांच कराए जाने की मांग कर रहे हैं। सवाल यह भी है कि सिद्धू मूसेवाला की

सुरक्षा में कटौती क्यों की गई। गौरतलब है कि पंजाब सरकार ने सिद्धू मूसेवाला पर हमले से एक दिन पहले ही उनकी सुरक्षा में कटौती कर दी थी। मूसेवाला की सुरक्षा में पहले 4 जवान तैनात थे जिन्हे घटाकर 2 कर दिया गया था। सवाल यह भी कि हमले के वक्त सुरक्षाकर्मी मौजूद क्यों नहीं थे? सिद्धू मूसेवाला अपने साथ सुरक्षाकर्मियों को क्यों नहीं ले गए? बुलेटप्रूफ गाड़ी होते हुए भी मूसेवाला उससे क्यों नहीं गए और जब जान का खतरा था तो इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हुई? जो भी कारण हो जांच के बाद सामने आएगा, मगर मान सरकार का तर्क देखें तो सरकार को वीआईपी सुरक्षा पर काफी खर्च करना पड़ रहा था। इस दृष्टि से मान सरकार सही है। क्योंकि देश में वीआईपी लोगों को महफूज रखना महंगा पड़ रहा है। बीस हजार से अधिक विशिष्ट एवं अति विशिष्ट लोगों को एक तय संख्या में सुरक्षा कर्मी मिले हुए हैं। प्रधानमंत्री के एसपीजी सुरक्षा कवर से लेकर जेड प्लस, जेड, वाई प्लस, वाई और एक्स श्रेणी की सुरक्षा के अलावा केंद्र व राज्य में एक या दो सुरक्षाकर्मी साथ लेकर चलने वाले वीआईपी लोगों का आंकड़ा काफी बड़ा है। वीआईपी सुरक्षा में लगे अधिकारियों के मुताबिक, 12000 करोड़ रुपए के सालाना खर्च पर लगभग 20 हजार वीआईपी महफूज रहते हैं। इनकी सुरक्षा में 60,000 से अधिक जवान तैनात हैं। 30,000 से ज्यादा गाडियां, वीआईपी सिक्योरिटी में इस्तेमाल हो रही हैं। इस खर्च में तो केवल सुरक्षाकर्मियों का वेतन और वाहनों का पेट्रोल डीजल ही शामिल है। मसलन, खाना पीना, रहना, ट्रेवलिंग अलाउंस, जोखिम भत्ता एवं दूसरा कई तरह का व्यय अलग रहता है। केंद्र एवं राज्य सरकारें इस खर्च को वहन करती हैं। पंजाब सरकार ने 424 वीआईपी लोगों को दी गई सुरक्षा वापस ले ली है। पंजाब सरकार को वीआईपी सुरक्षा पर काफी खर्च करना पड़ रहा था। इससे पहले भी भगवंत मान सरकार ने कई विधायकों और पूर्व विधायकों एवं दूसरे नेताओं की सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मचारियों को वापस बुला लिया था। जिन लोगों की सुरक्षा वापस ली गई हैं, उनमें विभिन्न दलों के नेताओं के अलावा अनेक रिटायर्ड पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। डेरे एवं धार्मिक नेताओं को भी सुरक्षा घेरा प्रदान किया गया था।

महिलाओं के प्रति असंवेदनशील समाज...

सूडोकु नवताल- 6139

★★★★★ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6138 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

सोनम लववंशी

कार्ल मार्क्स ने धर्म को अफ़ीम कहा था। वर्तमान दौर में सोशल मीडिया %अफ़ीम% का काम कर रही है। ऐसे में आज भले हमारे सम्पर्क का दायरा बढ़ गया है, लेकिन दिलों में नफ़रत की खाई पनपती जा रही है और कहीं न कहीं सोशल मीडिया नफ़रत फैलाने का जरिया बनता जा रहा हैं। इतना ही नहीं यहां कई बार किसी अपराध की प्रकृति ऐसी होती है, जिसके जिम्मेदार लोगों को तो कानून के कठघरे में लाया जा सकता है, लेकिन उससे सामाजिकता की व्यापक छवि को जो नुकसान पहुंचता है, उसकी भरपाई आसान नहीं होती। इंटरनेट के विस्तार के साथ-साथ इसकी उपयोगिता से इंकार नहीं किया जा सकता, लेकिन इसके समांतर साइबर दुरुपयोग के जितने स्तर सामने आ रहे हैं, वे अपराधों का एक नया संजाल खड़ा कर रहे हैं। ऐसे में देखें तो विज्ञान ने तरक़्क़ी तो बहुत कर ली है पर विज्ञान वरदान साबित होगा या अभिशाप? यह हमें ही तय करना है। विडंबना देखिए जिस तकनीकी का इजात मानव की भलाई के लिए किया गया था आज वही नफ़रत का ज़रिया बन गया है। बाजारवाद के इस दौर में हर चीज़ बिकाऊ हो गई है और शायद इसी मानसिकता ने %बुल्ली बाई% जैसे ऐप को इज़ात कर लिया, लेकिन हमारी सहनशीलता देखिए कि इस अनैतिक अपराध पर भी हम खामोश बैठे है। हमारी सारी संवेदनाएं मर गई है। हमे तो बस धर्म के नाम पर राजनीति करनी है। वर्तमान दौर में इंसानियत को भी धर्म के आधार पर बांटने का राजनीतिक खेल खेला जा रहा है। पर हमें इससे भला कहाँ फर्क पड़ने वाला है? हमें तो धर्म के नाम पर राजनीति करने की आदत सी हो गई है। इसीलिए तो अब विरोध भी धर्म देखकर किया जाने लगा है। पर क्या इंसानियत धर्म से बढ़कर हो गई है? हम तो वसुधैव कुटुम्बकम की परंपरा को मानने वाले लोग है जहां हर जीव पर दया की जाती है। फिर कैसे किसी धर्म विशेष की महिलाओं पर अन्याय होता देख हमारा सभ्य समाज अंधा हो गया है। कहां गई वे महिलाएं जो आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने की बड़ी बड़ी ढींगे हांकती है। जो विपक्ष बिना मुद्दे के भी शोर मचाते नहीं थकता था वह क्यों खामशो हो गया है? हर छोटी बड़ी बात में जो न्यायालय स्वयं संज्ञान ले लेता है आज वह भी मानो अपनी आंखों पर पट्टी बांध रहा हो। सवाल कई है पर सभी की जुबां मौन है और कई बार इसी मौन को %स्वीकृति% का प्रतीक मान लिया जाता है। ऐसे में इन मुद्दों पर मुखर होने की जरूरत है और यह समझने की आवश्यकता कि आख़िर क्यों पढ़े-लिखें युवा भी ऐसे कामों में संलिप्त हो रहें हैं। वैसे देखा जाए तो यह खामोशी महिलाओं के लिए सबसे बड़ा अभिशाप बन गई है। जुर्म करना अपराध है लेकिन जुर्म होते देख कर खामोश हो जाना भी बड़ा अपराध है। कल्पना कीजिये कि एक महिला पर क्या बीती होगी जब नए वर्ष की सुबह में उस महिला ने खुद को नीलामी की वस्तु के रूप में देखा होगा। जहां उसकी बोली लगाई जा रही है, उस पर गंदे गंदे कमेंट किये जा रहे है।सोशल मीडिया पर उसकी क़ीमत तय की जा रही है। यह कोई कल्पना नहीं बल्कि वर्तमान दौर की सच्चाई है। जिसमें %बुल्ली बाई% नामक ऐप के द्वारा 100 से अधिक मुस्लिम महिलाओं की तस्वीरों को नीलामी के लिए डाल दिया गया। उनकी बोली लगाई जा रही थी। इस ऐप में अभिनेत्री शबाना आज़मी से लेकर उच्च न्यायालय के न्यायधीश की पत्नी के साथ ही कई जानी मानी पत्रकार और राजनेता की तस्वीर भी शामिल थी। ताजुब की बात है कि पिछले छह महीने में यह दूसरी बार है जब इस तरह की घटना को अंजाम दिया गया है। इससे पहले %सुल्ली डील% में भी इसी तरह महिलाओ को टारगेट किया गया था। वहीं अब इसे महज संयोग कहें या साज़िश सवाल तो यह उठता है कि यह ऐप तब लाया गया जब पंजाब, उत्तरप्रदेश व उत्तराखंड जैसे राज्यों में चुनाव का माहौल है। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि कहीं चुनाव का माहौल बिगाड़ने की यह साज़िश तो नहीं?

फिर आ गए रनिल विक्रमसिंघ

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

श्रीलंका के राष्ट्रपति-चुनाव में रनिल विक्रमसिंघ की विजय पर उनके दोनों प्रतिद्वंदी तो चुप हैं लेकिन उनके विरुद्ध राजधानी कोलंबो में प्रदर्शन होने शुरु हो गए हैं। आम तौर पर गणित यह था कि राजपक्ष-परिवार की सत्तारुढ़ पार्टी के नाराज़ सदस्य रनिल के विरुद्ध वोट देंगे और संसद किसी अन्य नेता को राष्ट्रपति के पद पर आसीन कर देगी लेकिन रनिल को स्पष्ट बहुमत मिल गया है। इसका अर्थ यही है कि एक तो सत्तारुढ़ दल में दरार जरुर पड़ी है लेकिन वह इतनी चौड़ी नहीं हुई कि पार्टी-उम्मीदवार उसमें डूब जाए और दूसरा यह कि प्रधानमंत्री रहते हुए रनिल विक्रमसिंघ ने पिछले कुछ हफ्तों में ही भारत और अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठनों को इतना प्रेरित कर दिया था कि श्रीलंका को अरबों रु. की मदद आने लगी थी। वैसे भी रनिल छह बार श्रीलंका के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। इतने अनुभवी नेता अब राष्ट्रपति बनने पर शायद श्रीलंका को वर्तमान संकट से उबार ले जाएं। इसी विश्वास ने उन्हें जिताया है लेकिन उनका आगे का रास्ता बहुत ही कंटकाकीर्ण है। एक तो श्रीलंका की सारी बागी जनता मानकर चल रही है कि वे राजपक्ष परिवार के भक्त हैं। वे उनके कहे मुताबिक ही काम करेंगे। इसीलिए अब जनता का गुस्सा पहले से भी अधिक तीव्र होगा। जो नेता उनसे हारे हैं, वे जनता को भड़काए बिना नहीं रहेंगे हालांकि उन्होंने अपनी हार को विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लिया है। यह तो बिल्कुल स्पष्ट है कि यदि राष्ट्रपति के चुनाव में श्रीलंका की जनता मतदाता होती तो रनिल विक्रमसिंघ की जमानत जब्त हो जाती। अब देखना यही है कि विक्रमसिंघ श्रीलंका की वर्तमान समस्याओं का हल कैसे निकालते हैं और जनता के क्रोध को कैसे शांत करते हैं। पता नहीं कि वे अब प्रधानमंत्री किसे बनाएंगे? यदि इस वक्त वे किसी विपक्षी नेता, जैसे सजित प्रेमदास को प्रधानमंत्री बना दें तो शायद उन्हें राजनीतिक तूफानों का सामना कम ही करना पड़ेगा। सजित ने राष्ट्रपति के चुनाव से अपना नाम भी वापिस ले लिया था। यदि ऐसा हो सके तो श्रीलंका में एक सर्वदलीय और सर्वसमावेशी मंत्रिमंडल बन सकता है, जो कि आम विरोध को भी शांत कर सकेगा और वर्तमान संकट का समाधान भी खोज सकता है। जहां तक भारत का सवाल है, राष्ट्रपति के इस चुनाव में भारत की भूमिका सर्वथा निष्पक्ष रही है। उसने अब तक लगभग चार बिलियन डॉलर की मदद श्रीलंका को दे दी है और वह अभी भी अपने इस निकट पड़ौसी राष्ट्र को संकट से उबारने के लिए कृतसंकल्प है।

नौकरी के साथ 'साइड बिजनेस' करने से पहले करें तैयारी

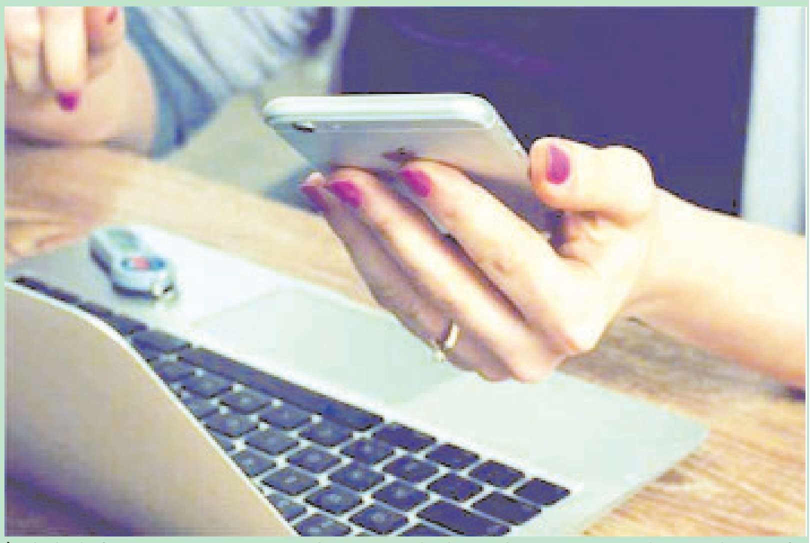

दुनिया में बहुत से ऐसे लोग हैं, जो अपनी नौकरी के साथ-साथ कुछ और काम करते हैं। कुछ लोग इसे फ्रीलांसिंग कहते हैं, कुछ लोग साइड बिज़नेस. अब ये जो भी है, उसका चलन तेज़ी से बढ़ रहा है। नौकरी के साथ कुछ और करने की कोशिश करने वालों की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। अपने आस-पास ऐसे लोगों को देखकर आपका भी दिल करता होगा, कुछ और काम शुरू करने का.अगर आप ऐसा सोच रहे हैं, तो हम आपको इस बारे में कुछ मशविरे दे सकते हैं।पहली बात तो ये कि जो भी काम आप शुरू करना चाह रहे हैं उसकी अच्छी समझ होनी चाहिए।मगर उससे भी पहले ज़रूरी ये है कि आपके अंदर वो काम करने की भरपूर ललक होनी चाहिए।दूसरी बात ये कि आपको एक साथ कई काम करना आना चाहिए।आपका मल्टीटास्किंग होना ज़रूरी है, वरना नौकरी के साथ कोई धंधा करने का इरादा आपके करियर को भी चौपट कर सकता है।तीसरी और सबसे अहम बात है कि आपके पास इस नए काम के लिए वक़्त होना चाहिए. वरना सिर्फ़ इरादों से काम नहीं चलने वाला।नौकरी के साथ नया काम शुरू करने से पहले खुद से सवाल कीजिए कि आप ये काम क्यों शुरू करना चाहते हैं?क्या आप ये काम पैसों के लिए करना चाहते हैं? या फिर आपके अंदर ये नया काम करने का जोश और ललक है.

क्या आप इस काम को शुरू करके आगे चलकर पूरी तरह कारोबारी बनना चाहते हैं? नौकरी छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं?इन सवालों के सही जवाब मिल जाएं तो आपको नया काम शुरू करने में आसानी होगी।जो भी काम आप शुरू करना चाहते हैं उसमें वक़्त लगना तय है।जैसे कि आप नई वेबसाइट शुरू करना चाहते हैं तो रजिस्ट्रेशन से लेकर डिज़ाइनिंग और लॉन्च तक ढेर सारे काम होते हैं.बेहतर होगा नुक़सान उठाने से पहले आप बीमा करा लें।इसी तरह दूसरे कामों में भी वक़्त और पैसे लगेंगे। तो अपनी प्लानिंग में इन सब बातों का ख़्याल रखें।बाज़ार में उतारने के लिए कोई नया उत्पाद बनाना है तो उसकी मांग, उसके बाज़ार, उसमें नई ख़ूबियों की ज़रूरत के बारे में खूब सोच विचार कर लें।फिर उसकी सही क़ीमत के बारे में भी फ़ैसला लेना ज़रूरी है।उस उत्पाद की मार्केटिंग कैसे करेंगे, ये देख लेना सबसे ज़रूरी है क्योंकि प्रोडक्ट बनाना आसान है.उसे बेचने के लिए ख़रीदार तलाशना सबसे मुश्किल काम है।अगर आपके उत्पाद के लिए बाज़ार नहीं है, तो उसे बनाना बेकार होगा।जब ख़रीदार नहीं होंगे, तो, आपका वक़्त, आपकी मेहनत और आपके पैसे, सब बेकार जाएंगे।नए प्रोडक्ट पर आप प्री-सेल या प्री-ऑर्डर के ऑफर से अपने उत्पाद के लिए संभावनाएं तलाश सकते हैं.आपकी बनाई चीज़ों के ग्राहकों के बारे में आपको अच्छे से पता होना चाहिए.सिर्फ़ ये कहना कि आप 35 से 55 साल की उम्र के लोगों को टारगेट करेंगे, कम होगा।अपने टारगेट की सही पहचान कीजिए. भले ही वो कोई एक शख़्स ही क्यों न हो। उसकी ज़रूरतों के बारे में सही समझ होनी चाहिए।नया काम शुरू करने से पहले आप अपनी नौकरी की शर्तें देख लें।हो सकता है कि नौकरी की कुछ शर्तें ऐसी हों, जो आपके नया काम शुरू करने में अड़ंगा डालें।इस बारे में जानकारी न होने पर आपकी नौकरी पर भी मुसीबत आ सकती है. बेहतर होगा, इसकी पड़ताल कर लें.नये काम में आपका एकमात्र फ़ोकस अपने उत्पाद के लिए ग्राहक और बाज़ार तलाशना होना चाहिए।

चीज़ें खुद ब खुद हो जाएंगी। पहले से ही इस बात की फ़िक्र करना कि आप काम किससे करवाएंगे, कर्मचारियों की तनख़्वाह का हिसाब कैसे रखेंगे? तो आप परेशान हो जाएंगे।बेहतर होगा कि पहले काम जुटाएं. क्योंकि अगर प्रोडक्ट के लिए ग्राहक ही नहीं होंगे, तो बाक़ी चीज़ों की ज़रूरत ही नहीं होगी.नौकरी के साथ नया काम करने के लिए टाइम मैनेजमेंट में सावधानी बरतना ज़रूरी है।अपने वक़्त को इस तरह अपने और दफ़्तर के काम में बांटिए कि दोनों को नुक़सान न हो1अपने टारगेट ऐसे तय कीजिए कि आपको कूवत से ज़्यादा मेहनत न करनी पड़े। वरना पहले ही मोर्चे पर मात मिल सकती है। और सबसे ज़रूरी बात, आपका नया काम चल निकले, आपके उत्पाद की मांग खूब हो जाए, तो ये देख लें कि इस काम के साथ आपकी नौकरी चल सकती है कि नहीं।

लाइब्रेरियन में हैं अच्छे अवसर

आम तौर पर माना जाता है कि एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना है पर यह सही नहीं है। बल्कि लाइब्रेरियन का काम लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है। आज के समय में लोग भले ही सूचनाओं को कंप्यूटर या फोन पर हासिल करने लग गए हों, लेकिन फिर भी किताबों का महत्व उसी तरह बरकरार है। आज भी पढ़ने के शौकीन लोग कई तरह की किताबें, मैगजीन व अखबार आदि पढ़ना पसंद करते हैं और इसके लिए वह लाइब्रेरी का रूख करते हैं। वहां पर पत्र-पत्रिकाओं का एक बड़ा कलेक्शन मौजूद होता है और हर कोई अपनी पसंद की किताब वहां आसानी से पढ़ सकता है। अगर आपको हरदम किताबों से घिरे रहना पसंद है तो लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करके बतौर लाइब्रेरियन अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

क्या होता है काम

एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना ही नहीं होता, बल्कि वह पूरी लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है। आसान शब्दों में, एक लाइब्रेरी को बेहतर बनाने के लिए जिन भी प्रयासों की आवश्यकता होती है, वह सभी उसके कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कदम रखने वाले छात्रों को सबसे पहले तो किताबों से लगाव होना बेहद जरूरी है। अगर आपका किताबों के प्रति रूझान नहीं है तो यह क्षेत्र आपके लिए नहीं है। इसके अलावा आपके भीतर मैनेजमेंट स्किल्स भी होने चाहिए। अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए।

योग्यता

इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर डिप्लोमा, ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स उपलब्ध हैं। अगर आप लाइब्रेरी साइंस में एक वर्षीय बैचलर डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं तो आपके पास कम से कम स्नातक स्तर की योग्यता होनी बेहद आवश्यक है। ठीक इसी तरह, मास्टर्स डिग्री करने के लिए लाइब्रेरी साइंस में बैचलर डिग्री होनी चाहिए।

संभावनाएं

अगर आप समझते हैं कि लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद आप सिर्फ लाइब्रेरियन ही बन सकते हैं, तो आप गलत है। इस कोर्स को करने के बाद आप इनफॉर्मेशन रिसोर्स स्पेशलिस्ट, रिसर्चर, मेटा-डेटा स्पेशलिस्ट और डॉक्यूमेंट स्पेशलिस्ट के तौर पर भी काम कर सकते हैं। लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद छात्रों को लाइब्रेरी के अलावा, गैलरीज, इंफार्मेशन एंड डाक्यूमेंटेशन सेंटर्स, पब्लिशंगि हाउस आदि में आसानी से काम मिल जाएगा।

होटलों में पेस्ट्री शेफ की मांग बढ़ी

पिछले कुछ सालों में, बेकरी उत्पादों के ग्राहकों में काफी तेजी से वृद्धि देखने को मिली है। इतना ही नहीं, कुछ घरों में तो सुबह की शुरूआत ही चाय व ब्रेड के साथ होती है। ऐसे में पेस्ट्री शेफ के क्षेत्र में अच्छी संभावनाएं बढ़ रही हैं। समय के साथ अनुभवी व अपने काम में माहिर पेस्ट्री शेफ यानी रसोइएं की मांग बढ़ती ही जा रही है। शादी या पार्टियों में आज हर प्रकार के पकवानों का प्रचलन बढ़ा है।

लजीज व्यंजनों के साथ साथ यदि आइसक्रीम और पेस्ट्री शामिल न हो तो पार्टी का मजा ही बिगड़ जाता है। ऐसा लगता है कि किसी चीज की कमी रह गई है। हर मौके पर व्यक्ति कुछ न कुछ मीठा खाने की चाह रखता है। शायद इसलिए जन्मदिन की पार्टी से लेकर शादी तक, मेहमानों के आने से लेकर त्योहारों तक कभी केक तो कभी पेस्ट्री आदि मंगाई जाती है।

कैसे तैयार होती हैं केक और पेस्ट्री: एक पेस्ट्री शेफ का मुख्य काम स्वादिष्ट केक, पेस्ट्री, कुकीज और ब्रेड आदि को बेक करना होता है। होटल्स इत्यादि में उनकी खास जगह होती हैं। इतना ही नहीं, उनका काम प्रयोग कर कुछ ऐसा नया बेक करना होता है, जो दूसरों से एकदम हटकर व स्वादिष्ट हो। खासतौर से किसी भी बेकरी शॉप की पहचान उसके द्वारा खुद निकाली गई अनोखी रेसिपी से ही होती है। जिसे बनाने का काम एक पेस्ट्री शेफ का होता है।

जरूरी दक्षता: इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आपका कलात्मक होना बेहद आवश्यक है। साथ ही आपको अपने काम से प्यार भी होना चाहिए, तभी आप कुछ नया व यूनिक बनाने में सक्षम हो पाएंगे। कभी-कभी सिर्फ आपकी इजाद की हुई अलग व अनोखी पेस्ट्री भी आपके कॅरियर को एक मीठा रूख दे सकती है। इन सबके अतिरिक्त एक अच्छी प्रेजेंटेशन खाने को और भी अधिक लाजवाब बनाती है, इसलिए उसमें खाने की प्रस्तुति करने का कौशल भी हो। खाना बनाते समय सिर्फ टेस्ट पर ही ध्यान नहीं

देना होता बल्कि सेफ्टी व हाइजीन भी उतना ही जरूरी है। आपके अंदर कड़ी मेहनत करने की क्षमता व लगन होना भी बेहद आवश्यक है। आपका काम सिर्फ किचन तक ही सीमित नहीं है, आपको अपनी पहचान बनाने के लिए लोगों से भी जुड़ना पड़ता है, इसलिए आपके अंदर बेहतर संवाद शैली होने के साथ-साथ अपने ग्राहक को पूर्ण रूप से संतुष्ट करने की कला भी होनी चाहिए। एक पेस्ट्री शेफ को लगातार कई घंटों किचन में खड़े होना पड़ता है, ऐसे में आपका धैर्यवान होना भी आवश्यक है। किसी भी होटल या रेस्टोरेंट में ग्राहक के आर्डर के कुछ क्षण बाद ही उसका ऑर्डर टेबल पर आ जाता है, इसलिए आपको भी अपने काम में समय का पाबंद होना चाहिए। कोशिश करें कि जो केक ग्राहक तक पहुंचे, वह ताजा व ठंडा हो। इन सबसे अलग आपको सभी प्रकार के उपकरणों व अपने काम की बारीकियों का बेहतर तरीके से ज्ञान होना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता: इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको 12वीं के पश्चात् बेकिंग व कन्फेक्शनरी में डिग्री या सर्टिफिकेट कोर्स करना बेहद आवश्यक है। तभी आपको बेकिंग, आईसिंग व डेकोरेटिंग आदि की जानकारी प्राप्त हो पाएगी। वैसे इस क्षेत्र में शॉर्ट टर्म या डिप्लोमा कोर्स भी कोर्स भी मौजूद हैं।

क्रिएटिविटी है तो एनिमेशन में उतरें

मुख्य रूप से 2-डी और 3-डी एनिमेशन का आज के समय में काफी चलन है। हालांकि मोशन ग्राफ़िक्स एवं स्टॉप एनीमेशन भी कई जगहों पर प्रयोग में लाया जाता है।

एनिमेशन के क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए आपका क्रिएटिव होना ज्यादा आवश्यक होता है। अगर आप अपने विचारों को, अपनी इमैजिनेशन को नया रूप दे सकते हैं, उसे नये तरीके से सोच सकते हैं, तो इस बात में कोई संदेह नहीं है कि एनिमेशन क्षेत्र में आप एक बेहतर कैरियर बना सकते हैं। क्रिएटिविटी के साथ-साथ एनिमेशन के लिए तमाम तकनीकी जानकारी की आवश्यकता भी होती है। जैसे स्क्रिप्टिंग, स्कल्पटिंग, लाइफ ड्राइंग, मॉडल एनिमेशन आदि। ध्यान रहे कि एक पेशेवर एनिमेटर बनने के लिए कठिन परिश्रम , के साथ विज़ुअलाइज़िंग एबिलिटी, इमैजिनेशन, क्रिएटीविटी, लॉजिकल अंडरस्टैंडिंग और डेडलाइन के तहत कार्य करने की आदत भी होनी चाहिए। आप घर पर भी सॉफ्टवेयर की सहायता से एनिमेशन सीख सकते हैं। आज के इंटरनेट के दौर में आप यूट्यूब से भी एनीमेशन के कई सॉफ्टवेयर और उसे ऑपरेट करने के लिए फॉर्मल ट्रेनिंग प्राप्त कर सकते हैं।

रोजगार की बात करें तो इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। तमाम विज्ञापन एजेंसीज में एनीमेशंस का प्रयोग बेहतर ढंग से होने लगा है, तो वेब डिजाइनिंग के क्षेत्र में भी इसका प्रयोग बड़े स्तर पर हो रहा है। साथ ही टीवी सीरियल, ओटीटी और फिल्म निर्माण के क्षेत्र में तो इसका प्रयोग है ही। आप चाहें तो अनुभव के बाद इस अपना स्वयं का काम भी शुरु कर सकते हैं।

एनीमेशन के क्षेत्र में आपार संभावनाएं हैं। एनिमेशन का प्रयोग ना केवल छोटे-मोटे एडवरटाइजमेंट और ग्राफ़िक्स इत्यादि में किया जाता है, बल्कि पूरी की पूरी फिल्में और सीरियल्स भी इसी पर बनने लगे हैं। कार्टून सीरियल आदि भी एनिमेशन के जरिये ही काम करते हैं। एनिमेशन कोर्स दसवीं पाक भी कर सकते हैं। बस आपमें क्रिएटिविटी (रचनात्मकता) और नये विचारों के साथ ही लगातार बेहतर करने का जुनून होना चाहिये। एनीमेशन में कॅरियर बनाने के इच्छुक लोग ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट व डिप्लोमा कोर्स अवश्य कर सकते हैं। अधिकांश कॉलेजों में बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) में एक विषय के तौर पर भी एनिमेशन पढ़ाया जाता है। कई बड़े संस्थानों में डिप्लोमा या एडवांस डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स के तहत मार्केट की मांग के मुताबिक एनिमेशन की प्रोफेशनल ट्रेनिंग दी जाती है, जहां इंडस्ट्री के प्रोजेक्ट पर भी काम करने का मौका मिलता है। ऐसे कोर्सों का समय एक से दो वर्ष का होता है। इसके दौरान ड्राइंग, ग्राफिक्स, प्रोडक्शन, प्रोग्रामिंग, लाइटिंग इत्यादि के साथ-साथ एनिमेशन एवं डिजिटल आर्ट्स की डिटेल में जानकारी प्रदान की जाती है।

फैशन कम्युनिकेशन क्षेत्र में हैं अच्छे अवसर

तेजी से बदलते फैशन के इस दौर में फैशन कम्युनिकेशन के क्षेत्र में भी अच्छी संभावनाएं हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट का काम अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है।

जब भी फैशन इंडस्टी की बात होती है तो लोग फैशन डिजाइनर या मॉडल बनने की ही चाहत रखते हैं। लेकिन यह एक ऐसी इंडस्टी है, जिसमें पिछले काफी सालों में बदलाव आया है और इसी कारण अब इस क्षेत्र में करियर की नई संभावनाओं ने जन्म दिया है। फैशन इंडस्टी में एक ऐसा ही करियर है फैशन कम्युनिकेशन है। यह तेजी से उभरता क्षेत्र है और अब युवाओं का आकर्षण इस ओर बढ़ने लगा है।

संभावनाएं

फैशन कम्युनिकेशन का कोर्स करने के बाद आप फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, फैशन पत्रकार, प्रोफेसर, डिजाइन सहायक, फैशन सहायक, फैशन मार्केटिंग मैनेजर, फैशन एडिटर, फैशन फोटोग्राफर, कला निर्देश आदि भूमिकाएं अदा कर सकते हैं। इस कोर्स को करने के बाद कई इंडियन व इंटरनेशनल ब्रांड के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

योग्यात

इसके लिए डिप्लोमा या बैचलर डिग्री की जरुरत रहती है। इसके बाद आप फैशन कम्युनिकेशन में ही मास्टर और डॉक्टरेट भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके काम पर निर्भर करती है और अनुभव के साथ आमदनी भी बढ़ती है। वैसे शुरूआती दौर में आप सालाना 2 से 3 लाख रूपए आसानी से कमा सकते हैं।

क्या होता है काम

एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट को कई काम करने होते हैं। वह अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है। अपने क्लाइंट व बिजनेस हाउस की तरफ से मीडिया के साथ कम्युनिकेट व डील करते हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट डिजाइन लेआउट, वेब पेज और मल्टीमीडिया डिजाइन डेवलप करता है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में आपकी मार्केटिंग स्टेटजी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही आपमें कम्युनिकेशन व नेटवर्किंग स्किल्स भी बेहतरीन होने चाहिए, इसके बिना आपको अपने क्षेत्र में कठिन संघर्ष करना पड़ सकता है। वहीं इस क्षेत्र में डेडलाइन पर काम करना होता है, इसलिए आपको कई-कई घंटे लगातार काम करना पड़ता है। इसलिए अगर आपमें धैर्य व कठिन परिश्रम करने की क्षमता नहीं है तो आप इस क्षेत्र में नहीं टिक पाएंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मौखिक व लिखित दोनों ही रूपों में अलग-अलग भाषा पर पकड़ अच्छी होनी चाहिए।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, विभिन्न केन्द्र
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, गुजरात
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे
- इंस्टीट्यूट ऑफ अपैरल मैनेजमेंट, गुरूग्राम
- जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली

व्यापरियों की हर समस्या का समाधान तत्परता से कराया जायेगा: महापौर डॉ. शोभा सिकरवार

चेंबर ऑफकॉमर्स नें नवनिर्वाचित महापौर का किया सम्मान

ग्वालियर। चेंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में नव निर्वाचित महापौर डॉ. श्रीमती षोभा सिकरवार ने कहा है कि व्यापारियों की हर समस्या का समाधान उनके साथ समय-समय पर बैठक कर और सुझाव लेकर तत्परता से किया जायेगा। उन्होने कहा कि गार्वेज षुल्क में राहत देने और पुराने जल कर माफकरने के लिये परिशद में प्रस्ताव लायेंगे। साथ ही सम्पत्तिकर की विसंगतियों को खत्म करेंगे। डॉ. षोभा सिकरवार आज चेंबर में अयोजित कार्यक्रम में वोल रही थीं। इस कार्यक्रम में विधायक डॉ. सतीष सिकरवार, चेंबर के अध्यक्ष विजय गोयल, सचिव प्रवीण अग्रवाल एवं अन्य पधादिकारीगण और बरिश्ठ व्यापारी जन मौजूद रहे। चेंबर के पधादिकारियों ने नव-निर्वाचित महापौर डॉ. श्रीमती षोभा सिकरवार को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में चेंबर के पदाधिकारियों एवं व्यापरियों ने नव निर्वाचित महापौर का पुश्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। इस मोके पर नव निर्वाचित महापौर डॉ. षोभा सिकरवार ने पधारे सभी व्यापारी भाईयों का हृदय की गहराईयों से स्वागत करते हुये कहा कि आप सब ने मुझे चुनाव में आर्शीवाद दिया, इसके लिये में आप सब के प्रति प्रतिज्ञता ज्ञापित करती हूॅ। उन्होने कहा कि व्यापारी भाईयों एवं चेंबर के साथ समय-समय पर बैठक कर सुझाव लेकर शहर के विकास व प्रगति के लिये कार्य करेंगे। साथ ही आप सब ने हमेशा नगर निगम द्वारा लगाए गये गार्वेज शुल्क को खत्म करने की मांग की, में आप सब को भरोषा दिलाती हू कि गार्वेज शुल्क को कम कर राहत देंगे।

उन्होने कहा कि यह भी चिंता का बिषय है कि गरीब बर्ग के खान-पान, आटा-दाल, नमक पर केन्द सरकार ने जीएसटी लगा दिया हे। सरकार के इस निर्णय का हम कॉग्रेस पार्टी विरोध करते है। जव भी आप लोग जीएसटी के खिलाफसड़को पर आयेंगे, हम साथ खडे होंगे। गरीब बर्ग बैसे ही परेशान है, जीएसटी लगाकर सरकार ने गरीब की रोटी छीनने का काम किया है। कॉग्रेस पार्टी सरकार के निर्णय के खिलाफ कल भी खड़ी थी आज भी खडी रहेगी। मैं व्यापारी भाईयों को विश्वास दिलाती हूॅ कि आपसे जुड़ी किसी भी समस्या का समाधान तत्परता के साथ कराया जाऐगा। आज आप सव ने मेंरा जो सम्मान किया है इसके लिये मैं आपका धन्यवाद ज्ञापित करती हू।

इस मौके पर विधायक डॉ. सतीष सिकरवार ने कहा कि षहर के विकास का रोड मेप बनाने के लिये महापौर काम करेंगी एसी में अपेक्षा करता हॅू इसके लिये एक कमेटी जिसमें पूर्व मेयर, पूर्व निगमायुक्त, व्यापारी, चेंबर के पधादिकारी, षिक्षाविद् एवं तकनीकी विषेशज्ञों को षामिल किया जायेगा। ऐसा भरोशा मुझे महापौर ने दिया है। कार्यक्रम में महापौर डॉ. षोभा सिकरवार ने वरिश्ठ व्यापरी एवं स्वतंत्रता संग्राम सैनानी गनपत राम नीखरा का सम्मान किया। इससे पहले चेंबर के अध्यक्ष विजय गोयल ने गार्वेज षुल्क, सड़क, पानी, बिजली समेत कई समस्याएं उठाई और उम्मीद जताई कि नव-निर्वाचित महापौर चेंबर की भावानाओं का सम्मान करते हुये इन समस्याओ का समाधान करवाने के लिये सार्थक पहल करेंगी। चैंबर में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम का संचालन सचिव प्रवीण अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में चेंबर के पधादिकारी, उपाध्यक्ष पारस जैन के अलावा डॉ. वीरेन्द्र गंगवाल, राधाकिषन खैतान, गोकुल बंसल, मोहन गर्ग, संदीप वैस, पारस जैन, जगदीष मित्तल, कैलाष लहारिया, नरेन्द्र बजीठा, अभय नीखरा, ष्याम बंसल, रामनिवास अग्रवाल, पुरूशोत्तम अग्रवाल, महेष गुप्ता, महेष मुदगल, उमेष उत्पल, पं. विजय कब्जू, राजेन्द्र सेठ, मोहनलाल अग्रवाल, दीपक जैषवानी, किषोर कुकरेजा, श्रीमती अंजली बत्रा, अवध सिंह धाकरे, मनोज अग्रवाल, संजीव गुप्ता, अनिल गुप्ता, अभिशेक गोयल समेत बडी संख्या में व्यापारी मौजूद रहै।नटराज पूजन एवं कला गुरू सम्मानः संस्कार भारती द्वारा आयोजित नटराज पूजन एवं कला गुरू सम्मान कार्यक्रम में नव निर्वाचित महापौर डॉ. श्रीमती षोभा सिकरवार ने विधा भारती रानी महल परिशर में आयोजित कार्यक्रम में नटराज पूजन एवं कला गुरूओं का सम्मान किया इस मोके पर संस्कार भारती के अध्यक्ष डॉ. संजय धवले, महामंत्री मनीश दीक्षित एवं कोशाध्यक्ष षेखर दीक्षित ने पुश्पगुच्छ भैंट कर नव निर्वाचित महापौर का स्वागत किया। स्नूकर प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को बांटे पुरूस्कारः जीवाजी क्लब द्वारा आयोजित स्नूकर प्रतियोगिता में षामिल हूये सभी विजयी और हारे प्रतियोगियों को नव निर्वाचित महापौर डॉ. श्रीमती षोभा सिकरवार ने पुरूस्कार वितरण किये। इस मोके पर जीवाजी क्लब के अध्यक्ष संग्राम सिंह कदम, सचिव तरूण गोयल, विलियर्ड एसोसियेसन के चेयरमेन रवि गुप्ता, अध्यक्ष रवि तिवारी एवं सचिव डॉ. नीरज कॉल ने पुश्पगुच्छ भेंट कर नवनिर्वाचित महापौर का स्वागत किया। इस मोके पर नव निर्वाचित महापौर डॉ. षोभा सिकरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अंग हे । खेल भावना हमें अनुषासन सिखाता है और अच्छे व्यकतित्व का निर्माण होता है। स्वस्थ रहने के लिये भी व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में खेलों का समावेष करना चाहिये। जव व्यक्ति स्वस्थ होगा तो वह न केवल बेहतर तरीके से खेलेगा, वल्कि काम करने की क्षमता में बृद्वी होगी। उन्होने कहा कि में इस प्रतियोगिता में हारे हूये प्रतियोगियों से कहना चाहती हूॅ कि आप प्रयास करते रहिये सफ्लता मिलेगी क्योंकि समय से पहले और किस्मत से ज्यादा कभी किसी को प्राप्त नहीं होता है। में आप सभी खिलाडियो के उज्जवल भविश्य की में कामना करती हूॅ और जीवाजी क्लब को इस तरह के आयोजन करने के लिये साधुवाद देती हूॅ।

नहर खोलना हमारी प्राथमिकता है इसी क्रम में चिटोली मौके पर पहुंचे जनसेवक मोहन सिंह राठौड़

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। प्रिय किसान भाइयों , आपकी धान की फसल के लिए जल्दी से जल्दी नहर खोलना हमारी प्राथमिकता है इसी क्रम में चिटोली मौके पर पहुंच कर प्रभारी सिंचाई एवं प्रभारी मंत्री माननीय तुलसी सिलावट जी , जिलाधीश महोदय ग्वालियर , एमपीआरडीसी अधिकारी और ठेकेदार , ऐरीगेशन के अधिकारियों से चर्चा की हरसी नहर को 22 जुलाई दोपहर 2ः00 बजे किसानों के लिए खोला जाएगा, अभी ट्रैफिक को 500 मीटर आगे पुराने पुल से निकालेंगे ,जुलाई के अंतिम सप्ताह में चिटोली पुल से ट्रैफिक चालू हो जाएगा जय भाजपा विजय भाजपा सहयोग की अपेक्षा के साथ , संघर्ष का साथी, वरिष्ठ भाजपा नेता

अमलीपदर B.H.N. इंडियन पब्लिक स्कूल में पहुंचे लिया स्कूल प्रबंधन का जायजा आचार्य युवराज पांडे

अमलीपदर -गत दिनों गरियाबंद जिला के अन्तर्गत मैनपुर ब्लॉक तहसील कोर्ट अमलीपदर क्ष्।।ह्. इंडियन पब्लिक स्कूल में जायजा लेने आचार्य कथावाचक रामानुज पंडित युवराज पांडे ने सुबह क्ष्।।ह्. स्कूल मैनेजर एवं प्रिंसिपल एवं टीचर स्टाफ प्रबंधन से मिले आचार्य युवराज पांडे जी ने स्कूल में दिए जा रहे शिक्षा व छात्र-छात्राएं की फीस एवं गतिविधि के बारे में विस्तृत जानकारी लिए,उन्होंने स्कूल के प्रिंसिपल मैनेजर से चर्चा करते हुए कहा की जीवन मूल्यों पर आधारित नैतिक शिक्षा,संस्कार व देशभक्ति के ज्ञान बच्चों को देना चाहिए,ताकि सभी विषय में छात्र-छात्राएं अच्छे अंक से उत्तीर्ण हो सके शिक्षकों से चर्चा के उपरांत संस्था के शिक्षकों ने आचार्य जी का बहुत सम्मान किया एवं उनके बातों को विशेष महत्व देकर अब स्कूल में इन सभी चीजों का पालन करवाने पुर्ण आश्वासन दिया टीचरों से आचार्य युवराज पांडे जी ने टीचरों से और भी बात रखते हुए कहा कि आजकल के बच्चे मोबाइल में निरंतर ध्यान रखते हैं जिसके कारण बच्चे खेलकूद से वंचित हो रहे हैं जो बच्चों को खेलकूद करवाने एवं शिक्षा देने के लिए भी आचार्य जी ने कहा जो बात क्ष्।।ह्. स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं को भी बहुत अच्छा लगा साथ ही आचार्य जी ने हर क्लास पर सभी बच्चों से मिले जिसमें बच्चों को बहुत खुशी मिली साथ ही टआचार्य जी के स्कूल जाने से स्कूल में शिक्षकों के साथ खुशी का माहौल बना हुआ था इस मौके पर स्कूल के प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ सहित पुष्पांजलि टुडे न्यूज़ के स्टेट ब्यूरो चीफ पत्रकार अश्वनी अवस्थी सर्वोच्च छत्तीसगढ़ न्यूज़ उप जिला ब्यूरो चीफ व छत्तीसगढ़ मानव अधिकार मैनपुर ब्लॉक अध्यक्ष कृष्ण कांत त्रिपाठी नई दुनिया, रणभूमि ,राजधानी तक न्यूज़ के जिला ब्यूरो ,व छत्तीसगढ़ मानव अधिकार रायपुर संभाग उपाध्यक्ष गौतम कुमार साहू छत्तीसगढ़ 24 न्यूज़ जिला संवाददाता व,,लोकहित एक्सप्रेस न्यूज़ कॉम , स्टेट हेड ब्यूरो चीफ सर्वोच्च छत्तीसगढ़ न्यूज़ जिला ब्यूरो चीफ व छत्तीसगढ़ मानव अधिकार जिला मीडिया प्रभारी विक्रम कुमार नागेश बजरंग दल के अमलीपदर अध्यक्ष शेरा प्रधान व राजकुमार प्रधान सलमान समत खान चिंटू वाघे इन सभी उपस्थित रहे

सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन महेंद्र सिंह राजपुरोहित का किया सम्मान

पुष्पाजंली टुडे

मैसूरू- जिले के बनूर तहसील के मलीयूर स्थित सरकारी प्रथम श्रेणी विश्वविद्यालय के तत्वावधान में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रखा गया द्य कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टी.नरसीपुर के विधायक अश्विन कुमार तथा पर्यावरण जागृती वेदिके बनूर के अध्यक्ष समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित रहे द्य दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ द्य विद्यार्थियों ने कन्नड़ कला संस्कृति से ओतप्रोत नाटक का मंचन किया द्य मुख्य अतिथि विधायक अश्विनी कुमार ने कॉलेज प्रशासन को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया द्य विद्यार्थियों को शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी रहने की बात कही द्य मुख्य अतिथि समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित में अपने संबोधन में कहा कि छात्रों को अपने जीवन में प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए तथा राष्ट्रीय हित में कार्य करने की प्रेरणा दी द्य उन्होंने आगे बताया कि विद्यार्थियों ने श्रेष्ठ कला का प्रदर्शन किया द्य शिक्षा क्षेत्र में आगे रहकर अपना चरित्र निर्माण करते हुए अपने अभिभावको तथा गुरूजनो का मान बढाना चाहिए द्य एक गुरु ही होता है,जो अपने शिष्यों को अपने से भी श्रेष्ठ स्थान हासिल करने का आशीर्वाद देता है द्य कलाकारों को पारितोषिक प्रदान किया गया द्य इस अवसर पर कॉलेज विकास समिति के सदस्य एस.वी.जयपाल भरणी,कलाकार दोड राचप्पा,प्रधानाध्यापिका यशोदा,प्राचार्य श्रीगन नायक, सदस्य कालाप्पा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक समूह व विद्यार्थी गण उपस्थित रहे

स्वतंत्रता कहीं स्वछंदता न बन जाए

तोल-मोल के बोल मानव वाणी को न व्यर्थ खोल, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मिश्री में तू घोल'

सोशल मीडिया का आविष्कार जब से हुआ है तब से लोगों की ज़ुबान तेज़ाबी होने लगी है। हर कोई किसीको भी तीखे शब्दों का इस्तेमाल करके कुछ भी सुना देते है। यहाँ तक की प्रधान मंत्री देश के सम्मानीय व्यक्ति होते है उनके बारे में भी अनाप-सनाप बोलने से नहीं शर्माते। जैसे फेसबुक, वोटसएप, इंस्टाग्राम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सार्वजनिक मंच बन गया हो।

माना कि लोकतांत्रिक देश भारत सभी नागरिकों को विचार करने का, भाषण देने का और अपने व अन्य व्यक्तियों के विचारों का प्रचार, प्रसार करने का पूरा अधिकार और स्वतंत्रता देता है, अभिव्यक्ति की आज़ादी संविधानिक अधिकार भी है। पर जब अधिकारों का गलत इस्तेमाल हो तब एक सीमा तय करना जरूरी हो जाता है। अभिव्यक्ति की आजादी भारत के नागरिकों के मौलिक अधिकारों में से एक है। हमारा देश मिली-जुली संस्कृति वाला देश है यहाँ आस्तिक, नास्तिक और आध्यात्मिक सभी को अभिव्यक्ति का अधिकार है। इनके विचारों को सुनना लोकतंत्र का परम कर्तव्य है, अवाम की आवाज़ सुनना देश की शासन व्यवस्था का उतरदायित्व है।

सोच और विचारों का संचार मनुष्य के अधिकारों में सबसे अधिक मूल्यवान है। हर नागरिक स्वतंत्रता के साथ बोल सकता है, लिख सकता है तथा अपने अल्फाज़ों को समाज के सामने रख सकता है। लेकिन इस स्वतंत्रता के दुरुपयोग के लिए भी इंसान खुद ज़िम्मेदार होता है।

आजकल समाज और देश में जो हो रहा है उसे देखकर लगता है कि या तो अभिव्यक्ति की आजादी खतरे में है, या लोगों को अपनी अभिव्यक्ति का ठीक से उपयोग करना नहीं आता। आज शोषक और शोषित दोनों ही पक्ष एक दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं। दोनों ही असंतुष्ट है। शायद ये आजादी के दुरुपयोग का नतीजा है। इस मुद्दे पर विमर्श बेहद जरूरी है। स्वतंत्रता जब स्वच्छंदता का रुप ले लेती है तब महसूस होता है कि आज़ादी का दुरुपयोग हो रहा है। आज़ादी का हनन हो रहा है, स्वतंत्रता सीमा लाँघ रही है। फिर चाहे वह नेता हो या जनता, हर कोई मनमानी पर उतर आया है। स्वतंत्रता को अब एक दायरे की जरूरत है, स्वतंत्रता का सीमा रेखा के बाहर जाकर उपयोग करने वालों पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान होना चाहिए। नेताओं को अपने वक्तव्यों में शब्दों पर लगाम कसनी होगी। विपक्षों के गुण-अवगुण पर बहस आज हद पार कर रही है। शोसल मीडिया पर जात-पात और धर्म के नाम पर फैल रही बदी भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दायरा लाँघ रही है। जिसके चलते एक दूसरे के प्रति सौहार्द की भावना लज्जित हो रही है। हर नागरिक को मर्यादा में रहकर अपने विचार, अपनी मांग और अपने अधिकार रखने चाहिए। हर धर्म का सम्मान करना चाहिए तभी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गरिमा बरकरार रहेगी।

प्रिकॉशन डोज लगवाने में मध्यप्रदेश बनाएगा रिकार्ड: मुख्यमंत्री श्री चौहान

75 दिन में लगभग 5 करोड़ प्रदेशवासियों को लगेगा कोरोना का प्रिकॉशन डोज मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किया निःशुल्क प्रिकॉशन (बूस्टर) डोज़ अभियान का शुभारंभ राज्यस्तरीय कोविड वैक्सीन अमृत महोत्सव आरंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश की जनता ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए पहला और दूसरा डोज लगवाने में देश में रिकार्ड स्थापित किया था। अब प्रिकॉशन डोज लगवाने के इस अभियान में प्रदेशवासियी सक्रिय भागीदारी निभाते हुए समय-सीमा में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करेंगे। प्रदेश में लगभग पांच करोड़ लोग प्रिकॉशन डोज के लिए पात्र हैं। 15 जुलाई से 31 सितम्बर तक 75 दिन चलने वाले इस जनअभियान में हम सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, आंगनबाड़ी व आशा कार्यकर्ताओं और सभी प्रदेशवासियों के सहयोग से सफल होंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान कोविड -19 बीमारी से बचाव के सुरक्षा कवच को मजबूती देने के लिए संचालित कोविड वैक्सीन अमृत महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर भोपाल के प्रोतिमा मलिक महिला पुलिस अस्पताल में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री मोहम्मद सुलेमान, सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने जिस तरह से कोरोना संक्रमण का सामना किया, उससे विश्व चकित है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर ही देशवासियों की संक्रमण से सुरक्षा के लिए निःशुल्क प्रिकॉशन डोज लगाने के लिए कोविड वैक्सीन अमृत महोत्सव आरंभ किया गया है। आजादी के 75वें वर्ष में आरंभ यह अभियान निरंतर 75 दिन तक जारी रहेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोविड वैक्सीन अमृत महोत्सव के अतंर्गत 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के ऐसे समस्त व्यक्ति जिन्होंने कोविड-19 वैक्सीन की द्वितीय डोज उपरांत 6 माह की अवधि पूर्ण कर ली है वे सभी प्रिकॉशन डोज के लिए पात्र हैं। जिन व्यक्ति को जिस वैक्सीन का द्वितीय डोज दिया गया है। प्रिकॉशन डोज के रूप में भी वही वैक्सीन दी जाएगी। प्रदेश में 27 जुलाई, 3 अगस्त, 17 अगस्त, 31 अगस्त, 14 सितम्बर और 28 सितम्बर को जनभागीदारी से वैक्सीनेशन के लिए महाभियान आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सभी सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संगठनों, धर्मगुरुओं, सामाज के प्रमुख व्यक्तियों से प्रिकॉशन डोज लगवाने के लिए जनसामान्य को प्रेरित करने की अपील की । कार्यक्रम स्थल पर पूर्व आईएएस श्री रामसंजीवन तथा उनकी पत्नी श्रीमती मिनोती राम संजीवन को, को-वैक्सीन और श्री वासु पाण्डे को कोवीशील्ड का प्रिकॉशन डोज लगाकर राज्यस्तरीय अभियान आरंभ किया गया। इस अवसर पर श्री अमित शर्मा, श्री राहुल साहू, श्री रामकिशन, सुश्री दीपा पाण्डे ने भी प्रिकॉशन डोज लगवाया तथा सभी ने मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ सेल्फी पाइंट पर फोटो लिए।

न पिन नंबर, न ओटीपी और न ही बैंक की कोई, फिर भी साइबर ठगों ने कर दिया खाता खाली

मुंबई, एजेंसी। अगर बैंक खाता खोलने के बाद कोई आपको कोरियर से पासबुक चेक एटीएम भेजने की बात कह रहा है, तब यह खबर आपके लिए है। आपका बैंक का खाता खुलवाने वाले लोग साइबर ठग हो सकते हैं। यूपी के शाहजहांपुर की पुलिस ने इसतरह के अंतर्राज्यीय साइबर गिरोह के पांच शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ठगों के पास से 10 एटीएम, पासबुक, मोबाइल, जाली आधार कार्ड बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि यह प्रदेश के कई ग्राहकों के खातों से करीब एक करोड़ की ठगी कर चुके हैं. बिहार के रहने वाले इन ठगों के तार पूरे प्रदेश में फैले हुए हैं, इसकारण पुलिस इन ठगों के गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। यह साधारण ठग नहीं है, बल्कि यह वह शातिर ठग है, जो आपके खातों से पैसा भी निकाल ले और आपको पता भी नहीं लगेगा। ये गैंग बैंक ग्राहक से न उनका प?िन नंबर, न ओटीपी और न ही बैंक की कोई और जानकारी मांगते थे। ये लोगों के खातों को खुलवा कर उनके एटीएम पासबुक और चेक बुक अपने पास रखते थे। चौंकाने वाली बात है कि यह ठग फर्जी आधार कार्ड के जर?िए मोबाइल सिम निकलवाकर अपने मोबाइल के जरिए कोड डालकर लाखों रुपए निकाल लेते थे। पुलिस ने बिहार और लखीमपुर के रहने वाले नीरज गौतम सचिन पवन बालिस्टर और राजेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन ठगों के पास से 10 एटीएम, पासबुक, चेक बुक बरामद किए हैं। यही करीब 40 बैंक खातों के विवरण और जाली आधार कार्ड बरामद किए हैं, जिनसे अब तक 1 करोड़ों का लेनदेन कर ठगी की जा चुकी है। पुलिस ने बताया कि साइबर ठग भोले भाले वाले लोगों के खातों को खुलवाकर उनकी पासबुक एटीएम चेक बुक के अपने पास रख लेते थे. उन खातों में आए पैसे को अब तक यह ठग एक करोड़ की लेनदेन कर चुके हैं। पूरा गैंग एटीएम के जरिए रोजाना 20 से 25 हजार रुपए निकालकर पुलिस को चकमा देते रहते थे। इस गैंग के अन्य सदस्यों ने प्रदेश के कई जिलों में अपना जाल फैलाए हुआ हैं। पुलिस को जानकारी मिली है कि इस गैंग के अन्य सदस्य गुप्त रूप से ठगी का काम कर रहे हैं, जिसके चलते पुलिस इन ठगों के जरिए अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है।

थाना महाराजपुरा पुलिस की नकबजन गिरोह के खिलाफबड़ी कार्यवाही

थाना महाराजपुरा पुलिस ने तीन शातिर नकबजनों को 08 लाख रूपये कीमत के चोरी के सोने-चांदी के जेवरात सहित किया गिरफ्तार

पकड़े गये नकबजनों से थाना महाराजपुरा की 07 चोरी की बारदातों सहित जिले में हुई एक दर्जन से अधिक नकबजनी की बारदातों का हुआ खुलासा।

नकबजनों से चोरी किया गये सोने चांदी के जेवरात कीमती लगभग 08 लाख रूपये के किये बरामद।

पकड़े गये नकबजनों में से एक नकबजन थाना बिजौली का हिस्ट्रीषीटर है।

ग्वालियर। ग्वालियर पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे के निर्देष पर चोरों, नकबजनों, लुटेरों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 21.07.22 को पुलिस अधीक्षक ग्वालियर को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना महाराजपुरा क्षेत्र में हुई नकबजनी की बारदातों में संलिप्त कुछ बदमाषों को भदरौली स्टेषन के पास देखा गया है। उक्त सूचना पर से पुलिस अधीक्षक द्वारा अति0 पुलिस अधीक्षक(शहरमध्य/यातायात) श्री अभिनव चौकसे,भापुसेको थाना महाराजपुरा पुलिस की टीम बनाकर मुखबिर सूचना की तस्दीक उक्त शातिर नकबजनों को पकड़ने हेतु निर्देषित किया गया। अति0 पुलिस अधीक्षक शहर(मध्य/यातायात) के निर्देष पर नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा श्री रवि भदौरिया के मार्गदर्षन में थाना प्रभारी महाराजपुरा निरी0 प्रषांत यादव के नेतृत्व थाना बल की टीम बनाकर मुखबिर के बताये स्थान भदरौली रेलवे स्टेषन के पास भेजा गया। पुलिस टीम को उक्त स्थान पर मुखबिर के बताये हुलिया के संदिग्ध व्यक्ति खड़े दिखाई दिये, जिन्होने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किया, परन्तु पुलिस टीम द्वारा उक्त शातिर नकबजनों को घेराबंदी कर धरदबोच लिया। पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये नकबजनों से पूछताछ करने पर उसके द्वारा थाना महाराजपुरा क्षेत्र में अपने साथियों के साथ मिलकर 07 स्थानों पर एवं थाना गोला का मंदिरव मुरार क्षेत्र में भी चोरी का बारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पकड़े गये नकबजनों से विस्तृत पूछताछ करने पर उन्होने बताया कि उनके द्वारा दिनांक 20.04.2022 की रात्रि में ग्राम बेहटा में, दिनांक 11.05.2022 की रात्रि में डीडीनगर के मकान नं0 बीएम-26 में, दिनांक 08.06.2022 की रात्रि में दाने बाबा मंदिर के पास स्थित दो घरों से, दिनांक 14.06.2022 को गंगा विहार कॉलोनी मे, दिनांक 03.07.2022 को आदित्यपुरम् ग्रीन वुड स्कूल के पास स्थित दो मकानों में चोरी करना स्वीकार किया। पूछताछ में उन्होने यह भी बताया कि उक्त सभी बारदातों में उनका एक और साथी भी सम्मिलित रहा है। पकड़े गये तीनों नकबजनों की निषादेही पर उनके पास से चोरी किये गये 12 तौला सोने एवं पौने 02 किलोग्राम चांदी के जेवरात कीमती 08 लाख रूपये के बरामद किये जाकर विधिवत् जप्त किये गये। पकड़े गये नकबजनों के संबंध में जानकारी लेने पर पुलिस टीम को ज्ञात हुआ कि नकबजनों का एक साथी थाना बिजौली का हिस्ट्रीषीटर है। पुलिस टीम द्वारा उक्त पकड़े गये नकबजनों को थाना महाराजपुरा के नकबजनी के प्रकरण में गिरफ्तार किया जाकर उनसे जिले में हुई अन्य नकबजनी की बारदातों एवं उनके फरार साथी के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में पकड़े गये नकबजनों ने बताया कि गिरोह के दो सदस्य सुबह से शाम तक अलग-अलग क्षेत्रों में रैकी करते थे और रात्रि में बारदातों को अंजाम देते थे।बरामद मषरूकाः12 तौला सोने के एवं पौने 02 किलोग्राम चांदी के जेवरात कीमती 08 लाख रूपये। सराहनीय भूमिकाः उक्त शातिर नकबजन गिरोह को गिरफ्तार कर माल बरामद करने में थाना प्रभारी महाराजपुरा निरी0 प्रषांत यादव, उनि0 सौरभ श्रीवास्तव, मुनेन्द्र भदौरिया, सउनि विश्राम सिंह, संतपाल सिंह, राजेष भदौरिया, प्रआर0 गजेन्द्र भदौरिया, आर0 विजय बघेल, नागर सिंह, कुलदीप तोमर, नितिन गुर्जर, राहुल दुबे,ऋषिकेष लोधी, आनंद राजावत, मनोज शर्मा, एदल सिंह गुर्जर, अरूण तोमर की सराहनीय भूमिका रही।

खनिज रेत का अवैध उत्खनन / परिवहन पर 76 वाहनों को जिला प्रशासन द्वारा जप्त किया गया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । इन वाहनो पर खनिज नियमों के अधीन कार्यवाही की जावेगी, वाहनों को मौके पर पुलिस के सुपुर्द किया वाहनों को नदी क्षेत्र से बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है भिण्ड जिले की सिंध नदी के ग्राम धौर (परायच) रेत घाट पर अवैध उत्खनन/ परिवहन की शिकायत जांच हेतु कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के आदेश के पालन में गत रात्रि लगभग 1 बजे खनिज विभाग भिण्ड, राजस्व विभाग लहार तथा पुलिस थाना लहार के द्वारा संयुक्त रूप से छापामार कार्यवाही की गई। जिसमें रात्रि के समय 14 वाहन ट्रक / डम्पर नदी किनारे रेत घाट पर रेत भरने हेतु खड़े पाये गये । जिन्हें जप्त कर थाना लहार के पुलिस बल की अभिरक्षा में दिया गया । इसके अतिरिक्त अनेक वाहन नदी के किनारे कीचड़ में फंसे पाये गये पानी के तेज बहाव के कारण इन वाहनों के आवागमन का रास्ता अवरुद्ध हो गया था जिन पर कार्यवाही हेतु पुनः एसडीएम लहार, एसडीओपी लहार, तहसीलदार मिहोना एवं लहार, खनिज विभाग का दल तथा थाना लहार का बल द्वारा प्रातः के समय पुनः कार्यवाही प्रारम्भ की गई, जिसमें 62 वाहनों को अवैध उत्खनन, परिवहन में जप्त किया गया। वर्तमान में नदी में रेत उत्खनन हेतु रोक लगी हुई है। इसके बावजूद भी इन वाहनों के द्वारा खनिज रेत का अवैध उत्खनन / परिवहन किया जा रहा था।जिस कारण इन 76 खाली वाहनों को जप्त किया गया है। जिन पर खनिज नियमों के अधीन कार्यवाही की जावेगी । कुल 76 खाली वाहनों को मौके पर पुलिस के सुपुर्द किया गया तथा वाहनों को नदी क्षेत्र से बाहर निकालने का प्रयास किये जा रहे हैं जिन्हें थाने की अभिरक्षा में रखा जावेगा

दतिया मेडिकल कॉलेज में सम्पन्न हुआ-सहज योग पर सेमिनार

योग नहीं महायोग है ,सहज योग-डॉ सुनील जैसवाल

संदीप प्रधान उप संपादक दैनिक पुष्पांजलि टुडे

दतिया चिकित्सा महाविद्यालय में आज दिनांक 21 जुलाई 2022 को , स्ट्रेस मैनेजमेंट थ्रू सहज योग कार्यक्रम का आयोजन माननीय मंत्री, चिकित्सा शिक्षा विभाग भोपाल, के निर्देशन में एवं डीन डॉ दिनेश उदेनिया की प्रेरणा से आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में समस्त चिकित्सा-शिक्षकों एवं नर्सिंग स्टाफ ने भाग लिया। कार्यक्रम की समन्वयक माइक्रो-बायोलोजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ किरण त्रिपाठी थी। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता डॉ सुनील जैसवाल , जो कि मेडिकल कॉलेज इंदौर में पैथोलॉजी विभाग में प्रदर्शक की पोस्ट पर है ने बताया कि, आज के तनाव भरे माहौल में योग ही एक ऐसा माध्यम है, जिससे हम शांत जिंदगी जी सकते हैं और अपने जीवन को व्यवस्थित बना सकते हैं उन्होंने सहज योग के महत्व को समझाते हुए बताया कि यह योग आज के युग का महायोग है क्यों कि इसे हम अपनी जिंदगी में बिना किसी रुकावट के कर सकते हैं । तथा कुंडलिनी जाग्रत करके हम भूत और भविष्य की चिंताओं से मुक्त होकर बर्तमान में जीवन जी सकते है। इस कार्यक्रम के मुख्यवक्ता डॉ सुनील जैसवाल, प्रदर्शक पैथोलॉजी विभाग , मेडिकल कॉलेज इंदौर से थे ,और श्री महेश श्रीवास्तव , शिक्षक शासकीय मिडिल स्कूल हाथीखाना दतिया, और श्री अमित अग्रवाल दतिया प्रमुख अतिथि थे । अंत में आभार प्रदर्शन डॉ अभिषेक मेहता द्वारा किया गया। यह जानकारी डॉ हेमंत कुमार जैन , जनसम्पर्क अधिकारी ,मेडिकल कॉलेज दतिया द्वारा दी गयी

दिनारा कस्बे में विद्युत तार जर्जर हो चुके हैं। बारिश का मौसम चल रहा है। शॉर्ट सर्किट से कभी भी दुर्घटना घटित हो सकती है।

शिवपुरी । क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति के लिए दौड़ाए गए बिजली के तार जर्जर हो चुके हैं। इसकी वजह से कई गांवों में विद्युत तार काफी नीचे लटक रहे हैं। इससे किसी भी समय बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता है। विद्युत विभाग इस समस्या से अनजान बना हुआ है। ग्रामीणों के बार-बार शिकायत करने के बावजूद उनके कानों तक जूं नहीं रेंग रहा है। दिनारा कस्बे ग्राम पुराना दिनारा में विद्युत विभाग की उदासीनता के चलते पुराना दिनारा में जर्जर हो चुके बिजली के तार से किसी दिन बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। ग्रामीण के अनुसार विद्युत विभाग की लापरवाही या विभाग में आने वाले तार तथा अन्य सामानों में हेरा फेरी से पुराना दिनारा में वर्षों से लगे तारों को बदला नहीं गया है। विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते किसी दिन बड़ी दुर्घटना घट सकती है। वहीं तारों के बीच गैपिंग में लगने वाले स्टे की जगह बांस और लकड़ियों की फर्टियों को लगाया गया है जो बरसात के दिनों भीगने की वजह से शार्ट सर्किट की वजह से तार टूट कर गिरने के कारण दुर्घटना का डर बना रहता है। कहना है कि विद्युत विभाग अगर जल्द से जल्द जर्जर हो चुके तारों को नही बदलता है तो किसी दिन बड़ी दुर्घटना घट सकती है और इसकी पूरी जिम्मेदारी विद्युत विभाग की होगी। जहां एक ओर विद्युत विभाग के आला अधिकारी अभियान चलाकर युद्धस्तर जर्जर तारों को बदलने और लोगों को इससे निजात दिलाने के लिए तेजी से काम करने का दावा करते नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती दिखाई दे रही है। न तो लोगों को जर्जर तारों से निजात मिल पा रही है और न ही जिम्मेदार इन जर्जर तारों को बदलते दिखाई दे रहे हैं। मजबूरन लोगों को परेशानियों के दौर से गुजरना पड़ रहा है। बारिश के मौसम ने दस्तक दे दी वहीं ग्राम पंचायत दिनारा के ग्राम पुराना दिनारा में जर्जर बिजली खभों से विद्युत सप्लाई की जा रही है जिससे ग्रामीणों को दुर्घटना का भय बना रहता है। लोगों का कहना है कि आए दिन बारिश व आंधी आती है जिस कारण ये जर्जर विधुत पोल कभी भी टूटकर गिर सकते हैं। लोगों का कहना है कि विधुत विभाग को इन जर्जर व टूटे हुए पोलों को हटाने के लिए कहा गया है लेकिन विभाग इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कस्बे में कहीं घरो के ऊपर से गुजरी विद्युत लाइन तो कहीं पेड़ों के ऊपर से गुजरी विद्युत लाइन बारिश के मौसम में करंट लगने की आशंका बनी रहती है।*जिम्मेदार अधिकारी नहीं देते इस ओर कोई ध्यान विद्युत विभाग को बड़े हादसे का इंतजार है। ग्रामीणों ने जर्जर तारों को ठीक कराने की मांग की है।

प्रशासन की चाक चौबंद व्यवस्था में संपन्न हुई द्वितीय चरण की मतगणना,9 सीटों पर भाजपा का कब्जा,3 कांग्रेस एवम् 3 निर्दलीय प्रत्याशी हुए विजय।

विवेक सेन पुष्पांजली टुडे

इंदरगढ। नगरीय निकाय चुनाव के तहत इंदरगढ़ नगर परिषद के द्वितीय चरण की मतगणना आज शा.वालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दतिया रोड पर प्रशासन की चाक चौबंद व्यवस्था में संपन्न हुई, मतगणना केन्द्र के बाहर लगा रहा प्रत्याशियों के समर्थको का हुजूम,इंदरगढ़ नगर परिषद की 9 सीटों पर भाजपा का कब्जा रहा वहीं 3 सीटें कांग्रेस और 3 सीटें निर्दलीय प्रत्याशियों के खाते में गई, नगर के वार्ड 4 में भाजपा के पूर्व पार्षद अरविंद सिंह जाट की ऐतिहासिक जीत रही,बही वार्ड 3 में कांग्रेस के अनार सिंह यादव ने भाजपा के विशाल शर्मा को मात्र एक वोट से सिकस्त दी,वार्ड 6 से निर्दलीय प्रत्याशी रवि चौरसिया,वार्ड 14 एवम् वार्ड 15 में भी निर्दलीय प्रत्याशियों ने भाजपा और कांग्रेस दोनों दिग्गज पार्टियों को मात देकर विजय हासिल की,नगर परिषद में अवकी वार 8 वार्डो से महिला उम्मीदवार विजय हुई है, जीत हासिल करने वाले समस्त प्रत्याशियों को एडीएम रूपेश उपाध्याय द्वारा प्रमाण पत्रो का वितरण किया गया,इस अवसर पर रिटर्निंग अधिकारी इंदरगढ़ तहसीलदार मोहिनी साहू, नायब तहसीलदार दीपक यादव,डीएसपी राजू रजक,थाना प्रभारी परमानंद शर्मा,सीएमओ महेंद्र सिंह यादव, पटवारी मनोज गुप्ता,सहित सैकड़ों की संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।मतगणना के दौरान प्रशासन की चप्पे चप्पे पर रहो पेनी निगाह।

नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने हेतु बैठक आयोजित

अनिल कुशवाह ब्युरो पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार आगामी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 अगस्त 2022 को किया जाना है। उक्त लोक अदालत को सफल बनाने के उद्देश्य से प्रधान जिला न्यायाधीश श्री विनोद कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की सचिव श्रीमती अर्चना सिंह, प्रथम जिला न्यायाधीश श्री शिवकांत गोयल, जिला न्यायाधीश श्री अमित कुमार गुप्ता सप्तम उपस्थित थे।प्रधान जिला न्यायाधीश श्री विनोद कुमार ने नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने की अपील की जिससे कि अधिक से अधिक पक्षकार लोक अदालत का लाभ उठाकर अपने मामलों का निराकरण करा सकेंगे। बैठक में अध्यक्ष अभिभाषक संघ श्री शैलेंद्र समाधिया की ओर से लोक अदालत को सफल बनाने के लिए सुझाव प्रस्तुत किए गए। साथ ही विद्युत विभाग द्वारा रखे जाने वाले मामलों के संबंध में विद्युत विभाग की ओर से उपस्थित कार्यपालन यंत्री श्री नितिन डोंगरे एवं श्री अशोक कुमार गुप्ता ने विस्तार से चर्चा कर बताया कि विद्युत विभाग द्वारा रखे जाने वाले मामलों में शासन द्वारा दी जाने वाली छूट का नियमानुसार पक्षकारों को लाभ दिया जाएगा।इस लोक अदालत में सिविल, आपराधिक, पारिवारिक, विद्युत, बैंक बीमा, जलकर, दुकान कर, संपत्ति कर, दूरसंचार आदि के राजीनामा योग्य लंबित एवं प्री लिटिगेशन स्तर के समस्त प्रकार के मामले रखे जाएंगे।

ब्रह्म मुहूर्त में सिद्ध अदृश्य शक्ति करती है महादेव का अभिषेक, कोई नहीं जानता मंदिर का रहस्य

गौरव शर्मा पुष्पांजलि टुडे

भारत में चमत्कार और रहस्यमयी कई मंदिर है जिनका रहस्य कोई नहीं जानता ना ही कोई इन रहस्यों की जड़ तक पहुंच पाता है। कहा जाता है की इस तरह के सभी मंदिरों में चमत्कार के पीछे इश्वर की शक्ति होती है। वहीं एक ऐसा चमत्कारी व रहस्यमय मंदिर मध्यप्रदेश में भी है। जहां शिवलिंग की पूजा व अभिषेक अदृश्य शक्ति द्वारा किया जाता है। जी हां मुरैना की तहसील कैलारस से 25 कि.मी दूर पहाडग़ढ़ के घने जंगलों में स्थित ईश्वरा महादेव मंदिर पर अदृश्य शक्ति द्वारा पूजा की जाती है। पहाड़गढ़ के इस घने जंगल की कंदरा में स्थित प्राचीन शिविलंग का अपना विशेष महत्व है। मान्यता है कि मंदिर में चार बजे ब्रह्म मुहूर्त के समय कोई शक्ति स्वयं पूजा-अर्चना करने आती हैं। पुजारी द्वारा मंदिर के पट खोलने पर शिवलिंग 21 मुखी, 11 मुखी 7 मुखी बेलपत्रों, फूलों, चावल से अभीषेक हुआ मिलता है। इस अद्भुत शिवलिंग पर साल के 365 दिन कुदरती तौर पर पानी की बूंदें टपकती रहती हैं प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच बसे ईश्वरा महादेव का रहस्य वर्षों बाद भी नहीं सुलझ सका है। बताया जाता है कि इस रहस्य को जानने के कई प्रयास किए गए लेकिन सभी प्रयास विफल रहे। गुफा नुमा पहाड़ के नीचे शिवलिंग पर प्राकृतिक झरने से शिवलिंग के शीर्ष पर जलाभिषेक हो रहा है और ब्रह्म मुहूर्त में कोई सिद्ध शक्ति उपासाना करती है पहाडग़ढ़ के जंगलों में पहाड़ों के बीच ईश्वरा महादेव का सिद्ध मंदिर बना हुआ है। बारिश के मौसम में यहां प्राकृतिक छटा देखने लायक होती है। इसलिए यह धार्मिक स्थल के साथ अच्छा पिकनिक स्पॉट है। ग्रामीण बताते हैं की यहाँ सिद्ध बाबा ने इन पहाड़ों के बीच शिवलिंग स्थापित कर तपस्या की थी। तभी से शिवलिंग के शीर्ष पर प्राकृतिक झरना अविरल जलाभिषेक कर रहा है। यहां पुजारी ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर के पट खोलते हैं, लेकिन तब तक कोई शिवलिंग का अभिषेक कर चुका होता है। लोगों का कहना है की इस मंदिर के गर्व गृह में रहस्यमयी पूजा को जानने के लिए किसी ने शिवलिंग के ऊपर हाथ रख लिया था लेकिन तभी अचानक तेज आंधी चली और फिर कुछ देर के लिए हाथ हटाया और अदृश्य भक्त शिव का पूजन कर गई, लेकिन जिस व्यक्ति ने शिवलिंग पर हाथ रखा था वो कोढ़ी हो गया कई बार संत महात्माओं द्वारा भी इस रहस्य को जनने की कोशिश की गई लेकिन इसके बावजूद पूजा का समय होते ही साधुओं की झपकी लग गई और पलभर में कोई शक्ति ईश्वरा महादेव शिवलिंग का अभिषेक कर गई। जब संतों की आंखे खुली तब शिवलिंग की पूजा हुई नज़र आई। लोगों का कहना है की शिवलिंग की स्थापना रावण के भाई विभीषण द्वारा की गई थी और उन्हें सप्त चिरंजीवियों में से एक माना गया है। इसलिए राजा विभीषण ही यहां पूजा करने आते हैं राजा ने लगाई फौज फिर भी हो गई गुप्त पूजा ईशुरा महादेव मंदिर पर गुप्त पूजा-अर्चना के रहस्य को जानने का प्रयास पहाडग़ढ़ रियासत के राजा पंचम सिंह भी कर चुके हैं। उन्होंने रात में हो जाने वाली पूजा का रहस्य जानने के लिए अपनी सेना को मंदिर के इर्द-गिर्द लगा दिया था। चौकसी में लगी सेना सुबह चार बजे से पहले अचेतन अवस्था में चली गई। जब आंख खुली तो वहां पूजा-अर्चना हो चुकी थी बताया जाता है की यहां ईश्वरा महादेव मंदिर के आसपास अनोखे बेलपत्र के पेड़ हैं। सामान्य तौर पर बेल की पत्तियां तीन-तीन के समूह में होती है, लेकिन यहां पांच, सात तक हैं। बताया तो यह भी जाता है कि कई बार शिवलिंग पर 21 के समूह वाली बेल पत्तियां भी देखी गई हैं

द्रौपदी मुर्मु जी के राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर भाजपा ग्वालियर महानगर द्वारा आतिशबाजी चलाकर एवं मिठाई बांटकर किया खुशी का इजहार

ग्वालियर। एनडीए की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के आज मतगणना के पश्चात नव निर्वाचित राष्ट्रपति घोषित होने पर भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार भाजपा जिला संगठन ग्वालियर महानगर द्वारा महाराज बाड़ा स्थित जिला कार्यालय मुखर्जी भवन पर आतिषबाजी चलाकर एवं मिष्ठान वितरण कर जीत का जष्न मनाया गया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कमल मखीजानी, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, राजेश सोलंकी, मुन्नालाल गोयल, जयप्रकाश राजौरिया, अशोक शर्मा, राजू सेंगर, हरीश मेवाफरोष, विनोद शर्मा, नवीन परांडे, सुधीर गुप्ता, दीपक शर्मा, मुरारीलाल मित्तल, प्रयाग सिंह तोमर, चेतन मंडलोई, जयंत शर्मा, प्रतीक तिवारी, वंदना प्रेमी, संजय सिंघल, धर्मेंद्र राणा, निर्दोष शर्मा, गौरव बाजपेई, राजू पलैया सहित अनेकों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिये शहर के विभिन्न वार्डों में किया फॉगिंग

ग्वालियर। संक्रामक बीमारियों एवं मच्छरों की रोकथाम के लिए नगर निगम द्वारा सभी वार्डों में फॉगिंग एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जा रहा है। जिसके तहत आज गुरूवार को विभिन्न वार्डों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव एवं फॉगिंग कराई गई। मुख्य स्वच्छता अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देश पर शहर के विभिन्न वार्डों की गलियों एवं मोहल्लों में निरंतर साफ-सफाई एवं फॉगिंग का कार्य कराया जा रहा है। जिसके तहत आज वार्ड 48, 51, 52, 54 की विभिन्न गलियों में। इसके साथ ही हजीरा क्षेत्र के विभिन्न गलियों में, बहोडापुर, मुरार, ठाठीपुर, दीनदयाल नगर, महाराज बाडा सहित विभिन्न क्षेत्रों में फोगिंग कार्य किया गया। इसके साथ ही शहर के अन्य भागों में भी कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया गया।

शहर में जल प्रदाय को लेकर निगमायुक्त दिये आवशयक दिशा निर्देश

ग्वालियर। ग्वालियर शहर में जल प्रदाय की लाइनों में चल रहे संधारण के कार्य को लेकर प्रभावित हो रही जल सप्लाई को लेकर आज नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदारों की बैठक लेकर आवशयक दिशा निर्देश दिये। निगमायुक्त श्री कन्याल ने निर्देशित करते हुए कहा कि संधारण के कारण शहर में जल सप्लाई प्रभावित न हो इसका संबंधित अधिकारी एंव ठेकेदार ध्यान रखें और सभी क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में जलापूर्ति हो इसके लिये संबंधित अधिकारी जल प्रदाय के समय नियमित रूप से अपने अपने क्षेत्र में भ्रमण करें। जहां भी लीकेज इत्यादी की कोई समस्या हो तो उसका तत्काल निराकरण करायें।

मुनिश्री विनय सागर की चातुर्मास कलश स्थापना 24 जुलाई को होगी

जीन शासन के सिद्धांत पर चलने वाला व्यक्ति स्वर्ग-नरक से नहीं घबराता-मुनिश्री

मुनिश्री के मंगल प्रवचन माधवगंज स्थित चतुर्मास स्थल अशियाना भवन पर चल रहे है।

ग्वालियर। जीनशासन के सिद्धांत पर चलने वाला व्यक्ति कभी स्वर्ग नरक से नहीं घबराता है। जब मृत्यु द्वार पर आएगी तब हमारे साथ कुछ नहीं जाएगा। यह स्वार्थो का संसार है। इसलिए हमें धर्मता को प्रमुख से करना चाहिए। कारण हम मानव है, तो हमारी आत्मा को भी मानवता की तरह ही कार्य करना चाहिए। क्योंकि मनुष्य धर्म से जुड़ा है।यह विचार श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने आज गुरुबार को साधनमय बर्षयोग समिति व मुख्य संस्था पुलक मंच परिवार ग्वालियर के ओर से माधवगंज स्थित चातुर्मास स्थल अशियाना भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही।

मुनिश्री ने कहा कि राग और द्वेष जीतने वाला परमेश्वर और परमात्मा कहलाता है। जो सर्व गुणों से युक्त हो वह ईश्वर है। गुरुओं की वाणी हमें मोक्ष मार्ग दिखाती है। जैन धर्म और जैन संस्कृति जीवन जीने की कला सिखलाती है। धर्म के सिद्धांत एवं छोटे-छोटे नियम से हम मोक्ष को प्राप्त कर सकते हैं। धर्म और संस्कार के लिए समर्पित होना ही पड़ेगा। इस मौके पर चातुर्मास समिति के मुख्य संयोजक मनोज जैन कॉलेज, अध्यक्ष कमलेश जैन, चक्रेश जैन, जितेंद्र जैन, वीरेंद्र जैन, भरत जैन, उनेश जैन, धमेंद्र जैन, नरेंद्र जैन, आदि मौजूद थे। संचालन प्रशांत जैन ने किया।

धर्मसभा में मुनिश्री के भक्तों ने चरणों का पाद प्रक्षालन, महिलाओ ने किया शास्त्र भेट।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि धर्म सभा का शुभारंभ आचार्यश्री विराग सागर के चित्र का अनावरण श्री सोहनलाल जैन विनोद जैन ने एवं दीप प्रज्वलित मनोज जैन प्रवक्ता सचिन जैन ने किया। मुनिश्री के पादप्रक्षालन सोहनलाल जैन विनय जैन मनोज जैन ने किए। महिलाओ ने मुनिश्री को शास्त्र भेट किए। मुनिश्री को जैन समाज के लोगों ने सामूहिक रूप से महा अर्घ्य समर्पित करें।

व्यक्ति के किये गये कर्मों के अनुरूप ही प्रतिफल मिलता है।

मुनिश्री ने कहा कि मनुष्य सच्चा सुख और संसार की सुख सुविधायें चाहता है, पर उसके अच्छे बुरे कर्म के अनुसार ही अच्छा और बुरा समय मिलता है। मनुष्य के द्वारा किये गये कर्म ही उसके जीवन का निर्णय करते हैं। कर्मों की गति बड़ी न्यारी होती है। कर्मों का न्यायालय ऐसा होता है जहां सबके लिये सामान्य न्याय होता है। कर्म ही मनुष्य को हंसाते और रूलाते हैं। व्यक्ति के किये गये कर्मों के अनुरूप ही प्रतिफल मिलता है। अगर द्रव्य मंगल है, क्षेत्र मंगल है और काल मंगल के बाद भी भाव मंगल न हों तो सब व्यर्थ है। मुनिश्री ने कहा आज दुनिया के कई देशों में साधन सम्पन्नता होने के बाद भी साधना नहीं है। इंडिया का मतलब साधनों में जीना है और भारत का मतलब साधना में।

ग्वालियर पुलिस ने चलाया सायबर क्राईम अवेयरनेस प्रोग्राम

एमपी वुमेन हॉकी अकादमीमें अध्ययनरत छात्राओं को सायबर अपराधों से बचाव के संबंध में दी जानकारी

ग्वालियर। ग्वालियर पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघीएभापुसेके निर्देश पर चलाये जा रहे ष्सायबर काईम अवेयरनेसष् प्रोग्राम के तहत आज दिनांक को रहे ष्एमपी वुमेन हॉकी अकादमी ग्वालियरष् ग्वालियर में सायबर क्राईम अवेयरनेस विषय पर एक सेमीनार का आयोजन किया गयाए जिसमें महाविद्यालय के कार्यालयीन स्टाफ एवं अध्ययनरत लगभग 50 छात्राओं ने सेमीनार में भाग लिया। इस सेमीनार का प्रारंभ अति0 पुलिस अधीक्षक (शहर.पूर्व अपराध) श्री राजेश डण्डौतिया द्वारा अपने उद्बोधन से किया गया। एएसपी क्राईम द्वारा सेमीनार में उपस्थित सभी अकादमी स्टाफ एवंछात्राओं को सायबर अपराधों से जुड़ी विभिन्न केस स्टडीज से अवगत कराया। उन्होने वर्तमान में पुलिस के पास आने वाली सायबर अपराध संबंधी शिकायतों को साझा किया। जिनमें उनके द्वारा मुख्यतः सेक्सट्रार्सनए सोशल मीडिया फ्रॉडए कॉल सेंटर के माध्यम से फ्रॉडए लॉटरी फ्रॉड आदि के संबंध मे व्याख्यान दिया गया। सेमीनार में उपस्थित सभी छात्र.छात्राओं को एएसपी क्राईम द्वारा स्मार्ट फोन को उपयोग करते समय कौन.कौन सी सावधानियां बरतें इस विषय पर भी प्रकाश डाला गया साथ ही उनको सायबर अपराधों से बचने के उपायो से भी अवगत कराया और प्रोत्साहित किया।

व्यापरियों की हर समस्या का समाधान तत्परता से कराया जायेगाः महापौर डॉ. शोभा सिकरवार

चेंबर ऑफकॉमर्स नें नवनिर्वाचित महापौर का किया सम्मान

ग्वायिलर। चेंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में नव निर्वाचित महापौर डॉ. श्रीमती षोभा सिकरवार ने कहा है कि व्यापारियों की हर समस्या का समाधान उनके साथ समय-समय पर बैठक कर और सुझाव लेकर तत्परता से किया जायेगा। उन्होने कहा कि गार्वेज षुल्क में राहत देने और पुराने जल कर माफकरने के लिये परिशद में प्रस्ताव लायेंगे। साथ ही सम्पत्तिकर की विसंगतियों को खत्म करेंगे। डॉ. षोभा सिकरवार आज चेंबर में अयोजित कार्यक्रम में वोल रही थीं। इस कार्यक्रम में विधायक डॉ. सतीष सिकरवार, चेंबर के अध्यक्ष विजय गोयल, सचिव प्रवीण अग्रवाल एवं अन्य पधादिकारीगण और बरिश्ठ व्यापारी जन मौजूद रहे। चेंबर के पधादिकारियों ने नव-निर्वाचित महापौर डॉ. श्रीमती षोभा सिकरवार को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में चेंबर के पदाधिकारियों एवं व्यापरियों ने नव निर्वाचित महापौर का पुश्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। इस मोके पर नव निर्वाचित महापौर डॉ. षोभा सिकरवार ने पधारे सभी व्यापारी भाईयों का हृदय की गहराईयों से स्वागत करते हुये कहा कि आप सब ने मुझे चुनाव में आर्शीवाद दिया, इसके लिये में आप सब के प्रति प्रतिज्ञता ज्ञापित करती हूँ। उन्होने कहा कि व्यापारी भाईयों एवं चेंबर के साथ समय-समय पर बैठक कर सुझाव लेकर शहर के विकास व प्रगति के लिये कार्य करेंगे। साथ ही आप सब ने हमेशा नगर निगम द्वारा लगाए गये गार्वेज शुल्क को खत्म करने की मांग की, में आप सब को भरोषा दिलाती हू कि गार्वेज शुल्क को कम कर राहत देंगे।

संक्षिप्त समाचार

थाना महाराजपुरा पुलिस की नकबजन गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्यवाही

ग्वालियर। ग्वालियर पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे के निर्देष पर चोरों, नकबजनों, लुटेरों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 21.07.22 को पुलिस अधीक्षक ग्वालियर को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि थाना महाराजपुरा क्षेत्र में हुई नकबजनी की बारदातों में संलिप्त कुछ बदमाषों को भदरौली स्टेषन के पास देखा गया है। उक्त सूचना पर से पुलिस अधीक्षक द्वारा अति0 पुलिस अधीक्षक(शहरमध्य/यातायात) श्री अभिनव चौकसे,भापुसेको थाना महाराजपुरा पुलिस की टीम बनाकर मुखबिर सूचना की तस्दीक उक्त शातिर नकबजनों को पकड़ने हेतु निर्देषित किया गया। अति0 पुलिस अधीक्षक शहर(मध्य/यातायात) के निर्देष पर नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा श्री रवि भदौरिया के मार्गदर्षन में थाना प्रभारी महाराजपुरा निरी0 प्रषांत यादव के नेतृत्व थाना बल की टीम बनाकर मुखबिर के बताये स्थान भदरौली रेलवे स्टेषन के पास भेजा गया। पुलिस टीम को उक्त स्थान पर मुखबिर के बताये हुलिया के संदिग्ध व्यक्ति खड़े दिखाई दिये, जिन्होने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किया, परन्तु पुलिस टीम द्वारा उक्त शातिर नकबजनों को घेराबंदी कर धरदबोच लिया। पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये नकबजनों से पूछताछ करने पर उसके द्वारा थाना महाराजपुरा क्षेत्र में अपने साथियों के साथ मिलकर 07 स्थानों पर एवं थाना गोला का मंदिरव मुरार क्षेत्र में भी चोरी का बारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पकड़े गये नकबजनों से विस्तृत पूछताछ करने पर उन्होने बताया कि उनके द्वारा दिनांक 20.04.2022 की रात्रि में ग्राम बेहटा में, दिनांक 11.05.2022 की रात्रि में डीडीनगर के मकान नं0 बीएम-26 में, दिनांक 08.06.2022 की रात्रि में दाने बाबा मंदिर के पास स्थित दो घरों से, दिनांक 14.06.2022 को गंगा विहार कॉलोनी मे, दिनांक 03.07.2022 को आदित्यपुरम् ग्रीन वुड स्कूल के पास स्थित दो मकानों में चोरी करना स्वीकार किया। पूछताछ में उन्होने यह भी बताया कि उक्त सभी बारदातों में उनका एक और साथी भी सम्मिलित रहा है। पकड़े गये तीनों नकबजनों की निषादेही पर उनके पास से चोरी किये गये 12 तौला सोने एवं पौने 02 किलोग्राम चांदी के जेवरात कीमती 08 लाख रूपये के बरामद किये जाकर विधिवत् जप्त किये गये। पकड़े गये नकबजनों के संबंध में जानकारी लेने पर पुलिस टीम को ज्ञात हुआ कि नकबजनों का एक साथी थाना बिजौली का हिस्ट्रीषीटर है। पुलिस टीम द्वारा उक्त पकड़े गये नकबजनों को थाना महाराजपुरा के नकबजनी के प्रकरण में गिरफ्तार किया जाकर उनसे जिले में हुई अन्य नकबजनी की बारदातों एवं उनके फरार साथी के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में पकड़े गये नकबजनों ने बताया कि गिरोह के दो सदस्य सुबह से शाम तक अलग-अलग क्षेत्रों में रैकी करते थे और रात्रि में बारदातों को अंजाम देते थे।

बरामद मषरूकाः12 तौला सोने के एवं पौने 02 किलोग्राम चांदी के जेवरात कीमती 08 लाख रूपये।

सराहनीय भूमिकाः उक्त शातिर नकबजन गिरोह को गिरफ्तार कर माल बरामद करने में थाना प्रभारी महाराजपुरा निरी0 प्रषांत यादव, उनि0 सौरभ श्रीवास्तव, मुनेन्द्र भदौरिया, सउनि विश्राम सिंह, संतपाल सिंह, राजेष भदौरिया, प्रआर0 गजेन्द्र भदौरिया, आर0 विजय बघेल, नागर सिंह, कुलदीप तोमर, नितिन गुर्जर, राहुल दुबे,ऋषिकेष लोधी, आनंद राजावत, मनोज शर्मा, एदल सिंह गुर्जर, अरूण तोमर की सराहनीय भूमिका रही।

प्रदेशव्यापी पौध-रोपण महा-अभियान 28 जुलाई से 15 अगस्त तक, दिशा-निर्देश जारी

ग्वालियर। राज्य शासन द्वारा अंकुर कार्यक्रम में शासकीय विभागों, नागरिकों, समुदायों और स्वैच्छिक संगठनों की सहभागिता से हरियाली अमावस्या 28 जुलाई से स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त तक प्रदेशव्यापी पौध-रोपण महा-अभियान चलाया जाएगा। अपर सचिव पर्यावरण एवं कार्यपालन संचालक एप्को श्री श्रीमन शुक्ला द्वारा क्रियान्वयन के संबंध में सभी कलेक्टरों को दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। कलेक्टरों से कहा गया है कि अभियान के सफल संचालन के लिये पूर्व में संचालित महा-अभियान की तर्ज़ पर कलेक्टर की अध्यक्षता में सभी स्टेक होल्डर्स को शामिल कर जिला स्तरीय समिति का गठन करें। समिति 28 जुलाई से 15 अगस्त तक पौध-रोपण अभियान का सतत् समन्वय, अनुश्रवण और मॉनिटरिंग करते हुए जन-भागीदारी सुनिश्चित करेगी। समिति द्वारा अंकुर कार्यक्रम की साप्ताहिक प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी। प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालय भवन, सार्वजनिक उपक्रम, औद्योगिक प्रतिष्ठान, निगम मंडल के कार्यालयों के प्रांगण में पौध-रोपण किया जा सकेगा। इसके अलावा स्कूल, कॉलेज, आंगनवाड़ी, छात्रावास, पंचायत आदि के परिसरों के साथ उपलब्ध अन्य शासकीय एवं वन्य भूमि पर भी पौध-रोपण किया जा सकेगा। कलेक्टरों से कहा गया है कि अपने जिले के अशासकीय संगठन, समुदाय आधारित संगठन और निजी संगठनों को अभियान से जोड़ते हुए उनके परिसरों और अन्य उपयुक्त स्थलों पर पौध-रोपण करवाएँ। पौधों की व्यवस्था संबंधित व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा स्वयं की जायेगी। वन, उद्यानिकी और कृषि विभाग की नर्सरी में उपलब्ध पौधों का उपयोग प्रचलित नियमानुसार किया जाएगा। रोपित पौधों की सुरक्षा, सिंचाई एवं देखभाल की जिम्मेदारी पौध-रोपण करने वाले संबंधित व्यक्ति, संगठन अथवा शासकीय संस्था की होगी।

वायुदूत-अंकुर एप पर डाउनलोड होगी पौधे की फोटो

अभियान से जुड़ने वाले प्रत्येक व्यक्ति द्वारा किये गये पौध-रोपण का पंजीयन वायुदूत-अंकुर एप पर किया जाकर रोपित पौधों का फोटो अपलोड किया जाएगा। एप गूगल प्ले-स्टोर अथवा एप्पल स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। प्रतिभागियों द्वारा पौध-रोपण के 30 दिन बाद वायुदूत-अंकुर एप पर रोपित पौधे की द्वितीय फोटो अपलोड करने पर सहभागिता प्रमाण-पत्र एप से डाउनलोड किया जा सकेगा।

अपर आयुक्त ने किया कचरा ट्रांसफर स्टेशनों का निरीक्षण, दिये आवशयक दिशा निर्देश

ग्वालियर। अपर आयुक्त श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर ने निगमायुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देशानुसार शहर में संचालित निगम के कचरा ट्रांसफर स्टेशनों का निरीक्षण कर साफ सफाई व्यवस्था को देखा। निरीक्षण के दौरान कमियां मिलने पर संबंधित अधिकारियों को आवशयक दिशा निर्देश दिये। अपर आयुक्त श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर ने संबंधित अधिकारियों के साथ निगम के कचरा ट्रांसफर स्टेशनों का निरीक्षण किया। उन्होंने नारायण विहार कचरा ट्रांसफर स्टेशन पर औचक निरीक्षण किया। जिसमें गंदगी पाए जाने पर संबंधित सुपरवाइजर को फटकार लगाते हुए, प्लांट को साफ एवं स्वच्छ रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही ट्रिपल आईटीएम स्थित कचरा स्टेशन का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को सुदृण बनाये रखने के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने लाल टिपारा स्थित गौशाला के पास बन रहे सीएनजी प्लांट के लिए चयनित स्थल का निरीक्षण किया। इसके साथ ही शहर से गोबर एकत्रित लाने वाले ट्रैक्टर चालक की परेड भी ली और कहा कि गोबर एकत्रित करने वाले ट्रेक्टर सुबह समय पर निकलें जिससे ज्यादा से ज्यादा गोबर एकत्रित किया जा सके तथा ट्रेक्टर चालकों को यह भी निर्देशित किया पशुपालक सडक पर गोबर न फेंके इसके लिये भी उनको समझाइस दें। साथ ही गौशाला में बीमार गायों की जा रही तीमारदारी की जानकारी ली। साथ ही गौशाला में किए जा रहे कार्यो का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान उनके साथ वर्कशॉक प्रभारी श्री शैलेन्द्र सक्सेना आदि मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478